शनिवार
28 नवम्बर -2026
वर्ष 11, अंक 78
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान



धर्म | ईसाई परिवारों ने केरल हाई कोर्ट से लगाई गुहार,कर दी बड़ी मांग

हम हिंदू बनना चाहते हैं, हिंदू रिवाजों से हों हमारे अंतिम संस्कार!

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। धर्म चुनना किसी भी व्यक्ति की निजी आस्था और स्वतंत्रता से जुड़ा मामला है। इसी अधिकार को लेकर केरल के एक ईसाई परिवार ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। परिवार के आठ सदस्य ईसाई धर्म छोड़कर अपने पूर्वजों के हिंदू धर्म में वापस लौटना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने कोल्लम जिले के कोट्टारक्करा स्थित श्री महागणपति मंदिर में धार्मिक रस्म कराने की मांग की है। परिवार का कहना है कि मंदिर प्रशासन की ओर से करीब पांच महीने तक कोई फैसला नहीं ले पाया है। अब इस मामले में केरल हाईकोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की गई है।



हिंदू धर्म में आस्था, परिवार के सदस्यों ने हाईकोर्ट में दाखिल की याचिका

मामला केरल के कोल्लम जिले के पुनालूर क्षेत्र के एक ईसाई परिवार से जुड़ा है। परिवार के आठ सदस्य चर्च ऑफ साउथ इंडिया से जुड़े हैं। याचिकाकर्ता सूर्यलक्ष्मी एस के अनुसार, उनके पूर्वज हिंदू थे और कुरावा समुदाय से संबंध रखते थे। परिवार ने अपनी इच्छा से दोबारा हिंदू धर्म अपनाने का फैसला किया है। परिवार ने 24 जून 2026 को कोट्टारक्करा श्री महागणपति मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी के सामने आवेदन दिया था। उनकी मांग थी कि मंदिर में मत परिवर्तनम यानी धर्म परिवर्तन की धार्मिक रस्म कराई जाए। लेकिन मंदिर प्रशासन ने फिलहाल इंतजाम नहीं किया है। ऐसे में उन्होंने अदालत से दखल देने की गुहार लगाई है।

- **हाईकोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को-** केरल हाई कोर्ट में जस्टिस देवन रामचंद्रन और जस्टिस बसंत बालाजी की खंडपीठ ने गुरुवार को इस मामले पर सुनवाई की और इसे आगे की सुनवाई के लिए दिसंबर में सूचीबद्ध कर दिया। अगली सुनवाई 4 दिसंबर 2026 को होनी है, जिसमें मंदिर प्रशासन और त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

जाकिर नाइक के संगठन पर एक्शन ले सकेंगे राज्य

यूएपीए के तहत फंड-प्रॉपर्टी जब्त करने का मिला अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने जाकिर नाइक के संगठन इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को दे दिया है। अब राज्य सरकारें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत संगठन के फंड, वित्तीय संपत्तियों और परिसरों पर कार्रवाई कर सकेंगी। गृह मंत्रालय ने 26 नवंबर को इस संबंध में गजट नोटिफिकेशन जारी किया। केंद्र सरकार ने 13 नवंबर को संगठन पर लगा प्रतिबंध अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया था। यह फैसला यूएपीए की धारा 42 के तहत लिया गया है। इसके तहत राज्यों को यूएपीए की धारा 7 और 8 के तहत कार्रवाई करने का अधिकार मिला है।



- **संगठन पर 5 साल के लिए बढ़ाया प्रतिबंध-** केंद्र सरकार ने 13 नवंबर को संगठन पर लगा प्रतिबंध अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया था। यह प्रतिबंध 14 नवंबर को खत्म होने वाला था। सरकार ने यूएपीए की धारा 3(1) और 3(3) के तहत संगठन को गैरकानूनी घोषित किया है। भारत ने पहली बार 17 नवंबर 2016 को संगठन पर प्रतिबंध लगाया था। उस समय सरकार ने आरोप लगाया था कि संगठन की गतिविधियां धार्मिक समुदायों के बीच नफरत और दुश्मनी बढ़ा सकती हैं।

लोकसभा में बढ़ेंगी 50 फीसदी सीटें

- **प्रस्ताव मोदी कैबिनेट से हुआ मंजूर,25 साल संख्या नहीं बदलेगी**

30 नवंबर को लोकसभा,2 दिसंबर को राज्यसभा में बिल आएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट ने शुक्रवार को लोकसभा सीटों में 50 फीसदी बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी की अध्यक्षता में सेवा तीर्थ में करीब एक घंटे बैठक चली। इसमें परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण के नए बिल को मंजूरी दी गई। लोकसभा में अभी 543 सीटें हैं। 50 फीसदी बढ़ोतरी के बाद ये 815 हो जाएंगी। यानी 272 सीटें बढ़ेंगी। बढ़ाई गई सभी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जा सकती हैं। कुल सीटों की यह संख्या अगले 25 साल तक नहीं बदलेगी। सूत्रों के मुताबिक, नए बिल में कुछ बदलाव किए गए हैं, ताकि परिसीमन के बाद किसी भी राज्य की लोकसभा में सीटों की हिस्सेदारी दूसरे राज्यों से कम न हो।



मोदी कैबिनेट ने दी बिल को मंजूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट ने शुक्रवार को डिलिमिटेशन के जरिए महिलाओं के लिए 33 फीसदी रिजर्वेशन लागू करने के लिए कॉन्स्टिट्यूशन अमेंडमेंट बिल को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित कानून में सभी राज्यों में लोकसभा सीटों में एक समान 50 फीसदी की बढ़ोतरी का प्रावधान है, जबकि 2051 तक सीटों का मौजूदा अनुपात बनाए रखा जाएगा। ये फैसला संसद के स्पेशल सेशन के लिए फिर से शुरू होने से कुछ दिन पहले आया है, क्योंकि सरकार अप्रैल में बिल के हारने के बाद इसे पास करने की एक और कोशिश करने की तैयारी कर रही है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि लोकसभा की बैठक सोमवार, 30 नवंबर को होगी, जबकि राज्यसभा की बैठक 2 दिसंबर को होगी। इसमें जरूरी सरकारी कामकाज निपटाए जाएंगे। संसदीय कामकाज की जरूरतों को देखते हुए, दोनों सदनों की कार्यवाही 3 दिसंबर को समाप्त हो सकती है। रिजिजू के इस ऐलान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

अप्रैल में पेश विधायी पैकेज में ये 3 बिल थे शामिल

संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026- इसका उद्देश्य लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या को बढ़ाकर 850 सीटें करना और महिला आरक्षण को लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करने के लिए एक परिसीमन आयोग गठित करने का प्रस्ताव है। केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 : इसका उद्देश्य दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर की चुनावी व्यवस्था में जरूरी बदलाव करना है। प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, लोकसभा में सदस्यों की संख्या 850 तक हो सकती है, जिसमें राज्यों से 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35 सदस्य शामिल होंगे। परिसीमन वह प्रक्रिया है जिसके तहत चुनावी क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय किया जाता है और जनसंख्या के आधार पर अलग-अलग राज्यों को आवंटित सीटों की संख्या निर्धारित की जाती है। प्रस्तावित परिसीमन विधेयक, 2026के तहत एक आयोग बनाने का प्रस्ताव है, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए यह काम करेगा। संसदीय सीटों की संख्या में वृद्धि से राज्यों के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व बदल सकता है। संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए संसद में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट से ऋतब्रत को बड़ा झटका

कोलकाता (एजेंसी)। पार्टी में बगावत से जूझ रही ममता बनर्जी को अदालत में बड़ी जीत मिली है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में ऋतब्रत बनर्जी की नियुक्ति को रद्द कर दिया। टीएमसी विधायक दल के नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को नेता विपक्ष के चुनाव पर दोबारा विचार करने के निर्देश दिए हैं। बता दें विधानसभा चुनाव के बाद टीएमसी विधायक दल में बंटवारा हो गया था। विधानसभा अध्यक्ष ने 3 जून को शोभनदेव चट्टोपाध्याय के दावे को दरकिनार कर पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता पद पर नियुक्त किया था। स्पीकर के इस फैसले को चुनौती देते हुए, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सोवनदेब चट्टोपाध्याय ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।



देश में एक ही समुदाय को ही मिल रही है तरजीह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेजियम की हालिया सिफारिशों में केवल एक समुदाय को तरजीह दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कॉलेजियम की कार्यप्रणाली अब सवालों के घेरे में है। न्यायमूर्ति गवई ने राष्ट्रपति से कॉलेजियम की हालिया सिफारिशों में दखल देने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में संसद के आंकड़ों का भी हवाला दिया है। यह पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को भी भेजा गया है। न्यायमूर्ति गवई ने आरोप लगाया कि कॉलेजियम की हालिया सिफारिशों में एक ही समुदाय को फायदा पहुंचाया जा रहा है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, महिलाओं और अन्य अगड़ी जातियों के उम्मीदवारों को नजरअंदाज किया जा रहा है।



जैश-ए-मोहम्मद का संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड ने वडोदरा से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मोहम्मद सहारुल इस्लाम को गिरफ्तार किया है। वह असम का रहने वाला है। एटीएस के मुताबिक, वह वडोदरा एयरफोर्स स्टेशन पर हमले की तैयारी कर रहा था। उसके मोबाइल से एयरफोर्स स्टेशन की फोटो और वीडियो के साथ जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ी सामग्री भी मिली है। उसके पास से एके-47 जैसी ऑटोमैटिक असॉल्ट राइफल, 2 मैगजीन, 23 जिंदा कारतूस, जैश-ए-मोहम्मद का झंडा, 2 मोबाइल फोन और नकदी बरामद हुई है। जांच के मुताबिक, आरोपी असम से बस और ट्रेन के जरिए गुजरात आया था। वह सार्वजनिक जगहों पर आतंकी हमला करने की फिराक में था। वडोदरा में वह रेलवे स्टेशन के पास रुका हुआ था। एटीएस पिछले 6 महीने से उसकी तलाश कर रही थी। गुजरात एटीएस ने 3 जुलाई को आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 8 आतंकियों को गुजरात से पकड़ा था।



सांसद परिमल नाथवानी से मिले आदिवासी छात्रावास के छात्र, पुस्तकालय की सुविधाओं पर हुई चर्चा

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी जी ने आज करमटोली स्थित आदिवासी छात्रावास के छात्रों से मुलाकात की। आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव के नेतृत्व में छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने पहुंचा था।इस दौरान यदुवंश आदिवासी कॉलेज छात्रावास के पुस्तकालय में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। सांसद जी द्वारा पूर्व में किए गए पुस्तकालय निरीक्षण के बाद छात्रों ने भी अपनी समस्याएं और जरूरतें उनके सामने रखीं।छात्रों ने कहा कि छात्रावास में बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए पुस्तकालय की समुचित व्यवस्था बहुत जरूरी है। इससे आदिवासी छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा की तैयारी में काफी मदद मिलेगी।छात्रों की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद सांसद नाथवानी ने आश्वासन दिया कि समस्याओं के समाधान और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जल्द पहल की जाएगी।इस मौके पर छात्र संघ अध्यक्ष सुशील उरांव के साथ छात्रावास प्रमुख प्रकाश भगत, बिनोद कुजूर, कार्तिक उरांव और प्रदीप उरांव उपस्थित थे।आदिवासी छात्र संघ ने उम्मीद जताई कि सांसद जी के आश्वासन से छात्रावास की समस्याओं का जल्द समाधान होगा।



रिपोर्ट-वायुसेना की टीम रूस जाकर सिस्टम की जांच करेगी,फरवरी 2027 तक तैनाती की तैयारी

एलओसी पर पांचवां एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम लगाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान से लगे 740 किलोमीटर लंबे नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा मजबूत करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए पांचवां एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम लगाने की योजना है। इससे पहले चार को सीमा पर अलग-अलग जगह तैनात किया गया है। सुरक्षा कारणों से इनके लोकेशन की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय वायुसेना की एक टीम अगले महीने रूस जाकर इस सिस्टम का प्री-डिस्पैच इंस्पेक्शन करेगी। इसके फरवरी 2027 तक तैनाती के लिए तैयार होने की उम्मीद है। यह जानकारी मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने दी है। एस-400 ट्रायम्फ रूस का एडवांस्ड मिसाइल सिस्टम है, जिसे 2007 में लॉन्च किया गया था।



भारत के पास एस-400 की 3 ऑपरेशनल स्क्वाड्रन

एस-400 की एक स्क्वाड्रन में 256 मिसाइल होती हैं। भारत के पास इस वक्त 3 स्क्वाड्रन हैं, जिन्हें अलग-अलग तरफ की सीमाओं पर तैनात किया गया है। पहली स्क्वाड्रन :पंजाब में तैनात की गई है। भारत को पहली 2021 में रूस ने पहली स्क्वाड्रन सौंपी थी। यह पाकिस्तान और चीन दोनों की ओर से आने वाले खतरों को रोकने के लिए है। दूसरी स्क्वाड्रन - सिक्किम (चीन सीमा) में तैनात है। भारत को यह खेप जुलाई 2022 में मिली थी। यहां से चिकन नेक पर भी निगरानी रखी जाती है। तीसरी स्क्वाड्रन- राजस्थान-गुजरात या पंजाब-राजस्थान सीमा पर तैनात है।

टकराव | तमिलनाडु की थलपति विजय सरकार से नाराज सुप्रीम कोर्ट

मदुरै दीपथून पर आज जलाओ दीपक, 'सुप्रीम' आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। *तमिलनाडु के तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीपथून स्तंभ में कार्तिगई दीपम जलाने का विवाद अब न्यायपालिका और राज्य सरकार के बीच आदेश पालन का बड़ा सवाल बन गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2026 को एक विशेष निर्देश दिया था, लेकिन 24 नवंबर को निर्धारित स्थान पर दीप नहीं जलाया गया। इसके बाद अदालत में अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। 27 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि उसके आदेशों को अपनी सुविधा के अनुसार बदलना या उन पर बातचीत करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की पीठ में जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली शामिल थे। अदालत 27 नवंबर को मदुरै के जिला कलेक्टर और तमिलनाडु के अन्य अधिकारियों के खिलाफ दायर अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। 20 नवंबर के आदेश में 24 नवंबर को दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति दी गई थी। अदालत ने साफ किया कि इस सुनवाई में वह पुराने विवाद के सभी पहलुओं के बजाय अपने आदेश के पालन की जांच करेगी। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने पाया कि 20 नवंबर के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की गई है। जबकि, मदुरै के जिला कलेक्टर ने मद्रास हाई कोर्ट के सामने यह सुनिश्चित करने का वचन दिया था कि आदेश का पालन किया जाएगा।*

मंदिर ट्रस्ट निलंबित, सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ होगी तैनात



अधिकारी 'बॉस' को खुश करने में लगे हैं- *जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने पाया कि 20 नवंबर के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की गई है। जबकि, मदुरै के जिला कलेक्टर ने मद्रास हाई कोर्ट के सामने यह सुनिश्चित करने का वचन दिया था कि आदेश का पालन किया जाएगा। कोर्ट ने टिप्पणी की है कि तमिलनाडु प्रशासन संवैधानिक अराजकता की स्थिति में है। बेंच ने कहा कि वे मदुरै के जिला कलेक्टर के शुरुआती बर्ताव से हैरान हैं। कलेक्टर के पास व्यापक शक्तियां होने के बावजूद, उन्होंने कोर्ट के आदेश का पालन न करने की जिम्मेदारी मंदिर प्रशासन पर मढ़ दी। अधिकारियों द्वारा अपने राजनीतिक वरिष्ठों के इशारे पर काम करने के आरोपों पर, पीठ ने कहा कि दावों की जांच करनी होगी।*

सांसद परिमल नाथवानी ने किया डेली मार्केट का भ्रमण, फल-सब्जी खरीदी, विक्रेताओं से की बातचीत



दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी जी ने स्थानीय डेली मार्केट का भ्रमण किया।इस दौरान उन्होंने फल-सब्जी की खरीदारी की और विक्रेताओं से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। बाजार में साफ-सफाई, दाम और विक्रेताओं की समस्याओं पर भी उन्होंने चर्चा की।विक्रेताओं ने अपनी समस्याओं से सांसद जी को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने समाधान का आश्वासन दिया।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में डीडीसी ने स्वयं रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश



दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/

धनबाद। झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को समाहरणालय में शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं रक्तदान कर दूसरों को भी इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सभी कर्मियों से स्वेच्छा से रक्तदान करने की अपील की।शिविर में समाहरणालय के सभी कर्मियों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। शिविर का आयोजन संध्या तक जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक कर्मी इसमें भाग लेकर रक्तदान कर सकें।मौके पर एसएनएमएमसीएच के चिकित्सक डॉ. बी.के. पांडेय, एनजीओ एम.ई.एम. फाउंडेशन के प्रतिनिधि सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय ग्रामीण एवं स्वदेशी खेलकूद प्रतियोगिता-2026 में धनबाद जिले के बालक वर्ग की टीम उपविजेता



दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। रांची में आयोजित राज्य स्तरीय ग्रामीण एवं स्वदेशी खेलकूद प्रतियोगिता-2026 में धनबाद जिले के बालक वर्ग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया।प्रतियोगिता में धनबाद जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन एवं प्रतिभा का परिचय देते हुए अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया। टीम की इस उपलब्धि से जिले के खेल जगत में हर्ष का माहौल है।इस उपलब्धि पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा जिला खेल पदाधिकारी, धनबाद ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं टीम प्रबंधन को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं स्वदेशी खेलों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन जिले में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय उपलब्धि है।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन तथा जिला खेल पदाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी इसी उत्साह एवं समर्पण के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।

सड़क दुर्घटना में 50 वर्षीय मनोज तिवारी की मौत

पलामू : पलामू जिले के रेहला थाना क्षेत्र के तोलरा गांव निवासी 50 वर्षीय मनोज तिवारी की गुरुवार देर शाम सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी. मेदिनीनगर से बाइक से घर लौटने के दौरान ब्रह्मोरिया-रेहला पथ पर उनकी बाइक अचानक सड़क पार कर रहे नीलगायों के झुंड से टकरा गयी. टक्कर के बाद मनोज सड़क पर गिर पड़े. इसी दौरान नीलगायों का झुंड उन्हें रौंदते हुए आगे निकल गया. हादसे में घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी. घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी. जानकारी के अनुसार, मनोज तिवारी गुरुवार को किसी काम से मेदिनीनगर गये थे. देर शाम वह बाइक से अपने घर तोलरा लौट रहे थे. इसी दौरान ब्रह्मोरिया-रेहला पथ पर अचानक नीलगायों का झुंड सड़क पार करने लगा. मनोज की बाइक झुंड से टकरा गयी, जिससे वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े. इसके बाद नीलगायों का झुंड उन्हें रौंदते हुए आगे बढ़ गया. हादसा इतना गंभीर था कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला. मनोज तिवारी अपने मृदुभाषी और मिलनसार स्वभाव के लिए क्षेत्र में जाने जाते थे. उनके असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. वहीं, गांव के लोगों ने भी उनके निधन पर गहरा शोक जताया है.इस घटना ने एक बार फिर इलाके में नीलगायों के झुंड के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा उजागर कर दिया है. ग्रामीणों के अनुसार, ब्रह्मोरिया से गढ़वा बाइपास को जोड़ने वाली सड़क पर शाम के समय अक्सर नीलगायों का झुंड पहुंच जाता है. अचानक सड़क पर इनके आ जाने से वाहन चालकों के लिए दुर्घटना की आशंका बनी रहती है. ग्रामीणों ने प्रशासन से इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है.

झारखंड राज्य स्थापना दिवस-2026 एवं सरकार की द्वितीय वर्षगांठ के मुख्य समारोह को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित

जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची श्री मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक श्री राकेश रंजन ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /



रांची। झारखंड राज्य स्थापना दिवस-2026 एवं वर्तमान सरकार की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित होने वाले मुख्य समारोह के सफल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर खेलगांव स्थित कार्यक्रम स्थल पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग आयोजित की गई। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची राकेश रंजन ने संयुक्त रूप से ब्रीफिंग में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि इतने बड़े राजकीय समारोह का सफल आयोजन सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी पूरी गंभीरता, तत्परता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। कार्यक्रम स्थल पर आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था को सुनिश्चित करें। उन्होंने कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा लोगों की सुविधा के लिए आवश्यक स्थानों पर स्पष्ट साइनेज लगाने का निर्देश दिया। समारोह में शामिल होने के लिए आने वाले लोगों के लिए भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था करने को कहा। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम स्थल पर फ्लेकार्ड डिस्प्ले की व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया, ताकि लोगों को आवश्यक सूचनाएं एवं दिशा-निर्देश आसानी से उपलब्ध हो सकें। वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची राकेश रंजन ने सभी प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों को निर्धारित समय पर अपने-अपने ड्यूटी स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए यातायात प्रबंधन, वाहनों के आवागमन एवं पार्किंग की व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए। निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करने तथा आम लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने का निर्देश दिया।उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक अथवा प्रतिबंधित वस्तु ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रवेश द्वारों पर उचित तरीके से फ्रिस्किंग एवं जांच सुनिश्चित की जाए। सुरक्षा जांच के दौरान पूरी सतर्कता बरती जाए, ताकि समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।वरीय पदाधिकारियों ने सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों को समारोह में आने वाले अतिथियों एवं आम नागरिकों के साथ शालीन, संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने निर्धारित दायित्वों का पूरी निष्ठा से पालन करें तथा किसी भी परिस्थिति में आपसी समन्वय बनाए रखें। ब्रीफिंग के दौरान अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय द्वारा सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्तादेश में निर्धारित उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही ड्यूटी स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर पारस राणा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गौरव गोस्वामी, उप विकास आयुक्त संजय कुमार भगत, अनुमंडल पदाधिकारी सदर कुमार रजत, अपर समाहर्ता राम नारायण सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, एडीएम नक्सल सुदर्शन भगत, पीडी आईटीडीए मनीषा तिर्की, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद, जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज सहित संबंधित प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।जिला प्रशासन द्वारा समारोह में शामिल होने वाले सभी अतिथियों एवं आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा आयोजन को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सफल बनाने में सहयोग करें।

डीडीसी ने की जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा

धनबाद। उप विकास आयुक्त सन्नी राज की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-II के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में उप विकास आयुक्त ने जल जीवन मिशन के तहत जिले में चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं अभियंताओं को लंबित कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि 10 दिसंबर तक जल जीवन मिशन के सभी लंबित कार्यों को हर हाल में पूरा किया जाए। कार्यों में अनावश्यक विलंब एवं लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में हर घर जल प्रमाण पत्र से संबंधित विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इसके तहत आवश्यक प्रक्रिया एवं कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया।उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के सहायक एवं कनीय अभियंता, परियोजना पदाधिकारी, 15वें वित्त आयोग के प्रतिनिधि तथा जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के जिला एवं प्रखंड समन्वयक उपस्थित रहे।



प्रखंड रातू एवं लापुंग में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान समारोह

प्रखंड तमाड़ के परासी पंचायत के स्कूल में मुखिया द्वारा बाल विवाह की रोकथाम हेतु चर्चा की गई तथा सभी बच्चों को शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में चिलदाग पंचायत अंतर्गत मुखिया, प्रतिनिधि एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति में बाल विवाह मुक्त प्रभात फेरी का आयोजन

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /



रांची। झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत प्रखंड रातू में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रखंड सभागार में आवास योजना, मनरेगा एवं पंचायती राज विभाग से संबंधित उत्कृष्ट कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। इसी प्रकार प्रखंड लापुंग में भी पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य पंचायत स्तर पर बेहतर कार्य करने वाले जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों को प्रोत्साहित करना तथा ग्रामीण विकास को गति प्रदान करना है।चार प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजनझारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत आज तमाड़, लापुंग, सोनाहातू सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। आधार आधारित द्र-च्यङ्घष्ट अभियान के तहत 843 लाभार्थियों का सत्यापन सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों का सत्यापन एवं योजनाओं से संबंधित प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न प्रखंडों में आधार आधारित द्र-च्यङ्घष्ट अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कुल 843 लाभार्थियों का द्र-च्यङ्घष्ट सफलतापूर्वक पूरा किया गया। बाल विवाह रोकथाम संबंधी गतिविधियाँ प्रखंड तमाड़ के परासी पंचायत के स्कूल में मुखिया द्वारा बाल विवाह की रोकथाम हेतु चर्चा की गई तथा सभी बच्चों को शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में चिलदाग पंचायत अंतर्गत मुखिया, प्रतिनिधि एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति में बाल विवाह मुक्त प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।जिले के सभी पंचायतों में बाल विवाह जैसी कुरीतियों को रोकने के लिए आज व्यापक अभियान चलाया गया। प्रभात फेरियां निकाली गयी एवं शपथ भी दिलाई गई।पलाश-JSLPS संबंधी गतिविधियाँझारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित पखवाड़े के अंतर्गत झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS), राँची द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों में ग्रामीण आजीविका संवर्धन, महिला सशक्तीकरण, कृषि एवं पशुपालन को बढ़ावा देने तथा सामुदायिक संस्थाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।नई चेतना 5.0 अभियान का सफल आयोजन- सामाजिक जागरूकता एवं सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न प्रखंडों में नई चेतना 5.0 अभियान के तहत व्यापक जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। क्लस्टर लेवल फेडरेशन (ष्टस्स्न), ग्राम संगठन (ङ्कह्र) एवं स्वयं सहायता समूहों (स॥त्र) के माध्यम से जागरूकता रैली, पोषण पखवाड़ा एवं नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियों के जरिए ग्रामीण समुदाय को जेंडर समानता, स्वास्थ्य जागरूकता एवं नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया जा रहा है।स॥त्र Cut-off °ß´ VO Transaction शिविरों का आयोजनस्वयं सहायता समूहों (स॥त्र) के वित्तीय लेन-देन एवं सामुदायिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न प्रखंडों में कुल 98 स॥त्र Cut-off एवं 29 ग्राम संगठन (VO) Transaction से संबंधित शिविरों का आयोजन किया गया।रक्तदान शिविरों में छ्वस्स्क्र के कर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़े के माध्यम से JSLPS, राँची ग्रामीण महिलाओं, किसानों एवं वंचित परिवारों को आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, कृषि एवं पशुपालन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा सामुदायिक संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

दिनांक- 24.11.2026 को मोतिया ओ.पी. अन्तर्गत ग्राम वरण देवबन्धा में कुछ लोगों द्वारा मवेशी चराने जाने वाली महिलाओं के साथ छेड़खानी की गई थी

साथ ही वादी से पैसे की मांग की जा रही थी और विरोध करने पर देशी कट्टा के बट से मारपीट कर जख्मी कर दिया गया था।



इस संबंध में वादी रोहित कुमार मंडल, उम्र करीब 22 वर्ष, पिता गुड्डो मंडल, ग्राम वरण देवबन्धा, थाना मोतिया ओ.पी., जिला गोड्डा के आवेदन के आधार पर अभियुक्त रितेश कुमार यादव, पिता धनंजय यादव, ग्राम वरण देवबन्धा तथा अन्य चार लोगों के विरुद्ध मोतिया ओ.पी. कांड संख्या-213/26 सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।पुलिस अधीक्षक द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोड्डा के नेतृत्व में अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी दल का गठन किया गया था। छापामारी के क्रम में दिनांक-26.11.2026 को रितेश कुमार यादव उर्फ रितेश कुमार को उसके निशानदेही पर दो देशी कट्टा एवं दो जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त ने अपने स्वीकारोक्तिआ बयान में बताया कि देशी कट्टा का मोबाईल से फोटो एवं वीडियो बनाकर अपने क्षेत्र में दबदबा बनाने का काम करते थे तथा उसी देशी कट्टा का भय दिखाकर घटना के दिन अपने साथियों के साथ मिलकर वादी से पैसे की मांग कर रहे थे और देशी कट्टा के बट से मारपीट कर जख्मी कर दिया था।अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

-: **गिरफ्तारी** :-1. रितेश कुमार यादव उर्फ रितेश कुमार, उम्र करीब 22 वर्ष, पिता धनंजय यादव, ग्राम वरण देवबन्धा, थाना मोतिया ओ.पी., जिला गोड्डा। -: **बरामदगी** :-1. दो (02) पीस देशी कट्टा2. दो (02) पीस जिन्दा कारतूस-: छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी/कर्मी :-1. श्री आकाश भारद्वाज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोड्डा।2. पु.नि. दिनेश महली, पुलिस निरीक्षक, सदर प्रभाग, गोड्डा।3. पु.अ.नि. मुकेश राउत, प्रभारी, मोतिया ओ.पी.।4. पु.अ.नि. बिपीन कुमार यादव, मोतिया ओ.पी.।5. पु.अ.नि. अजय रजक, मोतिया ओ.पी.।6. मोतिया ओ.पी. का रिजर्व गार्ड।

मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2027 के लिए परीक्षा केंद्रों का हुआ चयन

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /



धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन के निर्देशानुसार आगामी मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2027 के कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण संचालन की तैयारियों के क्रम में आज एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा की अध्यक्षता में केंद्र चयन समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में परीक्षार्थियों की संख्या, आधारभूत संरचनाओं एवं आवागमन की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्रों के निर्धारण एवं उनके संबद्धीकरण पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों द्वारा मैट्रिक परीक्षा-2027 में कुल 26,053 परीक्षार्थियों के लिए 84 परीक्षा केंद्रों का चयन किया गया। जबकि इंटरमीडिएट परीक्षा-2027 के कुल 25,116 परीक्षार्थियों के लिए 80 परीक्षा केंद्रों का चयन किया गया।अध्यक्षता करते हुए अरविंद कुमार ओझा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि चयनित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, शौचालय, बिजली, बैठने की समुचित व्यवस्था समय पूर्व सुनिश्चित कर लें, ताकि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, कार्यपालक दंडाधिकारी राम नारायण, जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधि सहित शिक्षा एवं जिला प्रशासन के अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से पत्रकार एवं लेखक सोमनाथ आर्य एवं लक्ष्मी कुमारी ने की मुलाकात, उनके राजनीतिक जीवन पर लिखी दो पुस्तकें की भेंट

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /





रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड, रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पत्रकार एवं लेखक डॉ. सोमनाथ आर्य और प्रकाशक संस्था 'और एक प्रयास' की अध्यक्ष लक्ष्मी कुमारी ने मुलाकात की।इस दौरान मुख्यमंत्री को उनके राजनीतिक जीवन पर लिखी दो पुस्तकें भेंट की गईं। इनमें एक पुस्तक हिन्दी और दूसरी अंग्रेजी भाषा में है।हिन्दी पुस्तक 'हूल से हेमंत तक – आदिवासी अस्मिता, सत्ता और संघर्ष की अनकही दास्तान' और अंग्रेजी पुस्तक ÒThe Invisible CoupÑ Hemant Soren, Jharkhand and the Politics of PowerÓ का प्रकाशन 'और एक प्रयास' द्वारा किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी का लालच देकर 5 नाबालिग बच्चियों को ले जा रहा था तमिलनाडु,

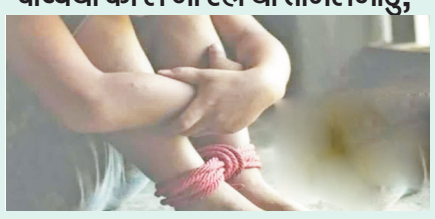

रांची: रोजगार दिलाने के नाम पर पांच नाबालिग बच्चियों को तमिलनाडु ले जाने की कोशिश कर रहे एक कथित मानव तस्कर को रेलवे सुरक्षा बल ने रांची रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया है. बच्चियों को स्पिनिंग मिल में नौकरी दिलाने और हर महीने 15 हजार रुपये वेतन देने का प्रलोभन दिया गया था. आरपीएफ की सतर्कता से पांचों बच्चियों को सुरक्षित मुक्त करा लिया गया. शिकंजे में आया व्यक्ति पिछले करीब 10 वर्ष से तमिलनाडु की एक स्पिनिंग मिल में सुपरवाइजर के रूप में काम कर रहा था. प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि उसे कंपनी की ओर से प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से प्रतिदिन 20 रुपये मिलते थे. आरपीएफ की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार पूरा मामला गुरुवार 26 नवंबर का है. आरपीएफ को रेल मदद के माध्यम से सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 18636 सासाराम-रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस से कुछ नाबालिग बच्चियों को संदिग्ध परिस्थितियों में ले जाया जा रहा है. सूचना मिलते ही ऋक्स पोस्ट रांची, अपराध आसूचना शाखा (ष्टह्रक्स) रांची और ष्टह्रक्स की संयुक्त टीम सक्रिय हो गई। ट्रेन के रांची स्टेशन पहुंचते ही टीम ने एक व्यक्ति को पांच बच्चियों के साथ देखा. संदेह होने पर सभी को रोककर पूछताछ के लिए ऋक्स पोस्ट लाया गया. आरोपी की पहचान पलामू जिला के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के अपर खुर्द निवासी सुशील कुमार सिंह उर्फ मिंटू सिंह (41) के रूप में हुई. उसने बताया कि वह तमिलनाडु स्थित स्स्रूत्रहश्रह्वश्च की प्रभु स्पिनिंग मिल में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत है. वह बच्चियों को मिल में काम दिलाने का आश्वासन देकर अपने साथ तमिलनाडु ले जा रहा था. इसके लिए उन्हें प्रतिमाह 15 हजार रुपये वेतन मिलने का लालच दिया गया था. आरोपी ने कथित तौर पर यह भी बताया कि कंपनी की ओर से उसे प्रत्येक व्यक्ति के हिसाब से प्रतिदिन 20 रुपये दिए जाते हैं. पांचों बच्चियों की नाबालिग उम्र और उन्हें रोजगार के नाम पर दूसरे राज्य ले जाने की परिस्थितियों को देखते हुए मानव तस्करी और संभावित शोषण की आशंका जताई गई. प्रारंभिक पूछताछ के बाद ऋक्स ने आरोपी और पांचों बच्चियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रांची एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (॥ञ्ज) को सौंप दिया. अधिकारियों के अनुसार, ऑपरेशन 'आहट' के तहत रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में मानव तस्करी के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है. इसी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण पांच नाबालिग बच्चियों को संभावित शोषण के खतरे से बचाया जा सका.

भतीजे की पिटाई का विरोध बना खूनी विवाद की वजह, छोटे भाई के डंडे के वार से बड़े भाई की मौत



रांची: जिला के सोनाहातू थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के दौरान एक व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है. हेसाडीह पंचायत के रानाडीह गांव में भतीजे की पिटाई का विरोध करने पर दो भाइयों के बीच विवाद हो गया. इसी दौरान छोटे भाई ने कथित तौर पर बड़े भाई के सिर पर डंडे से वार कर दिया. गंभीर रूप से घायल बड़े भाई को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई. मृतक की पहचान करीब 38 वर्षीय बासुदेव लोहारा, पिता स्वर्गीय सोनाराम लोहारा, निवासी रानाडीह गांव के रूप में हुई है. वहीं, आरोपी की पहचान उनके छोटे भाई मनकी लोहारा के रूप में हुई है.बासुदेव लोहारा किसी बात को लेकर अपने छोटे बेटे की पिटाई कर रहे थे. इसी दौरान उनके छोटे भाई मनकी लोहारा ने अपने भतीजे को बचाने के लिए बीच-बचाव किया. इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच कहासुनी शुरू हो गई. विवाद बढ़ने पर आरोप है कि मनकी लोहारा ने डंडे से अपने बड़े भाई बासुदेव के सिर पर प्रहार कर दिया. हमले में उनके सिर पर गंभीर चोट आई और काफी खून बहने लगा. इस घटना के समय बासुदेव की पत्नी शकुंतला देवी खेत में धान काटने गई हुई थीं. शाम करीब छह बजे जब वह घर लौटीं, तो उनके बेटे ने बताया कि चाचा ने पिता को मारा है. इसके बाद उन्होंने पति को गंभीर रूप से घायल अवस्था में देखा. सिर से काफी खून बहता देख परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए मुरी स्थित सिंगपुर अस्पताल लेकर पहुंचे. सिंगपुर अस्पताल में बासुदेव लोहारा का उपचार किया गया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उनकी जान नहीं बचाई जा सकी. इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. इसके बाद शव को घर लाया गया और घटना की सूचना सोनाहातू थाना पुलिस को दी गई.सोनाहातू थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप ने बताया कि मृतक की पत्नी शकुंतला देवी के आवेदन के आधार पर मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस घटना की जांच कर रही है. वहीं, आरोपी मनकी लोहारा की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा: सांस्कृतिक संध्या में झूमे दर्शक

खेलगांव में झारखंडी लोकगीतों और नृत्य की धूम



रांची. कहीं बांसुरी की मधुर तान, कहीं मांदर की थाप पर थिरकते कदम, तो कहीं नागपुरी गीतों पर झूमते दर्शक. हरिहर दिसेला हमर झारखंड कर गांव...,नागपुर कर कोरा...जैसे लोकगीतों ने खेलगांव की शाम को झारखंडी रंग में सराबोर कर दिया. संथाली, मुंडारी, नागपुरी, छऊ और पाइका नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने राज्य की समृद्ध लोकसंस्कृति की जीवंत तस्वीर पेश की. झारखंड राज्य स्थापना दिवस-2026 के अवसर पर आयोजित स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत गुरुवार की शाम खेलगांव में सुर, ताल और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला. कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झारखंड की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया.

खेलगांव में हरिहर दिसेला हमर झारखंड कर गांव..., नागपुर कर कोरा... जैसे गीतों के बोल गूंजते रहे. वहीं, संथाली, मुंडारी, नागपुरी, छऊ और पाइका नृत्य जैसी लोकनृत्य शैलियों की मनमोहक झलक देखने को मिली. झारखंड राज्य स्थापना दिवस-2026 के अवसर पर आयोजित स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत गुरुवार की शाम खेलगांव का माहौल झारखंडी कला, संस्कृति, नृत्य और संगीत के रंग में रंगा नजर आया. सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने बांसुरी की मधुर धुन, जनजातीय नृत्य, नागपुरी गीत-संगीत और छऊ नृत्य की प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया.

कुश कुमार करुवा के बांसुरी वादन से हुई कार्यक्रम की शुरुआत : सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत बांसुरी वादन से हुई. कुश कुमार करुवा ने अपनी बांसुरी की मधुर धुन से समां बांधा. उनके साथ अन्य कलाकार भी मौजूद रहे. इसके बाद विभिन्न स्थानों से आये कलाकारों ने जनजातीय नृत्य प्रस्तुत किये. इनमें संथाली, मुंडारी और नागपुरी नृत्य की प्रस्तुतियां शामिल रहीं. वर्षा रीतू लकड़ा और उनकी टीम ने भगवान बिरसा मुंडा पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति दी. कलाकारों ने 'ऐ बिरसा, ऐ धरती आबा...' जैसे गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर धरती आबा के योगदान को याद किया. वहीं, गुरु तपन कुमार पटनायक के निर्देशन में कलाकारों ने छऊ की पारंपरिक शैली का शानदार प्रदर्शन किया.

महिला बैंड ने आधुनिक नागपुरी गीतों से बांधा समां : सांस्कृतिक कार्यक्रम का विशेष आकर्षण द सजनी ग्रुप की प्रस्तुति रही. महिला बैंड ने आधुनिक नागपुरी गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर विवश कर दिया. बैंड ने हरिहर दिसेला हमर झारखंड कर गांव..., नागपुर कर कोरा... जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किये. बैंड में सुमन गाड़ी, पूनम खलखो, रुमा कुमारी और पूनम कच्छप शामिल रहीं.

हर कोने में दिखा झारखंड का स्वाद और रंग : कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल भी लगाये गये थे. मेला सह प्रदर्शनी में विभागीय स्टॉलों के माध्यम से लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी. वहीं, राज्य के सभी जिलों की ओर से भी प्रदर्शनी लगायी गयी थी. इसमें संबंधित जिलों के खान-पान, विशिष्ट उत्पाद, पर्यटन और कला-संस्कृति को प्रदर्शित किया गया.

फूड कोर्ट में झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों की विशेष झलक देखने को मिली. यहां लोग चावल और मड़ुवा से बने विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते नजर आये. इस तरह स्थापना दिवस पखवाड़ा के आयोजन में झारखंड की समृद्ध लोककला, सांस्कृतिक विरासत, खान-पान और क्षेत्रीय पहचान की झलक एक साथ देखने को मिली.

सीएम हेमंत सोरेन से मिला गोड्डा का दिव्यांग छात्र मो. फैजानुल्लाह



रांची: गोड्डा जिला के दिव्यांग छात्र मो0 फैजानुल्लाह ने आज गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा में मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने कहा कि वे सेरेब्रल पॉलिसी से प्रभावित हैं और दांतों से पेन पकड़कर (मुंह से लिखकर) पढ़ाई व परीक्षा देते हैं. झारखंड अधिविद्य परिषद की मैट्रिक परीक्षा-2026 में मुंह से लिखकर उन्होंने 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की है. मो0 फैजानुल्लाह का नामांकन यूएचइस शिवाजीनगर, गोड्डा में हो रहा है.

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिव्यांग छात्र मो0 फैजानुल्लाह के शिक्षा के प्रति जज्बा एवं दृढ़इच्छाशक्ति की सराहना करते हुए अपनी ओर से उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा उनका हौसला बढ़ाया. मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव मदद किए जाने की बात कही. मुख्यमंत्री ने कहा कि मो0 फैजानुल्लाह की यह उपलब्धि न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश में समावेशी शिक्षा, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा का एक प्रेरणादायक उदाहरण है.

मुख्यमंत्री से मिलने आए दिव्यांग मो0 फैजानुल्लाह की शिक्षा झारखंड सरकार की समावेशी शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत हुई है. दिव्यांग होने के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प, मेहनत तथा समावेशी शिक्षा के सहयोग से जैक द्वारा आयोजित मैट्रिक परीक्षा में 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर एक असाधारण उपलब्धि इसे माना जा सकता है जो विपरीत परिस्थितियों में अपने लक्ष्य के प्रति दृढ संकल्पित होकर इस मुकाम तक पहुंचा है. मुख्यमंत्री से मिलने के बाद मो0 फैजानुल्लाह बेहद ही खुश दिखे और उसे उम्मीद है कि उसकी आगे की पढ़ाई में अब कोई और बाधा नहीं आएगी.

अफीम की अवैध खेती पर पुलिस की नजर, बारियातू-बालूमाथ समेत तीन प्रखंडों में होगी कार्रवाई



लातेहार. लातेहार जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती और तस्करी पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है. उपायुक्त संदीप कुमार ने जिला स्तरीय एनसीओआरडी समिति की बैठक की अध्यक्षता की. इसमें जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम, अवैध खेती और तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान की समीक्षा की गई. उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को अवैध मादक पदार्थों के उत्पादन, भंडारण और परिवहन पर कड़ी निगरानी रखने तथा किसी भी तरह की अवैध गतिविधि सामने आने पर त्वरित और कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

अवैध खेती के खिलाफ नियमित छापेमारी का निर्देश : उपायुक्त ने अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर नियमित छापेमारी अभियान चलाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि अवैध मादक पदार्थों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन और पुलिस को मिलकर काम करना होगा.

स्कूल-कॉलेजों के 100 मीटर दायरे में बिक्री पर रोक : बैठक में उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि विद्यालयों और महाविद्यालयों के 100 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहे. इसके लिए संबंधित क्षेत्रों में नियमित निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा.

तीन प्रखंडों में अफीम की खेती नष्ट करने का निर्देश : उपायुक्त ने अंचल अधिकारी बारियातू, हेरहंज और बालूमाथ को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध अफीम की खेती के विनष्टीकरण के लिए सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया. पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने सभी थाना प्रभारियों को अवैध अफीम की खेती के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा. उन्होंने अब तक की गयी कार्रवाई की समीक्षा करते हुए अभियान को और अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाने का निर्देश दिया, ताकि जिले को अवैध मादक पदार्थों की खेती से मुक्त किया जा सके.

बैठक में अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, डीएलओ प्रभात कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार दिनेश कुमार समेत संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी उपस्थित थे. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी अंचल अधिकारी भी बैठक से जुड़े थे.

झारखंड विधानसभा पहुंच कर बसंत सोरेन ने सबको चौंकाया, मास्क और चश्मा पहने दिखे, सेहत और अफवाहों पर खुद दिया बड़ा अपडेट



रांची: झारखंड के पूर्व मंत्री, दुमका विधायक और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन लंबी अस्वस्थता के बाद आज रांची लौट आए हैं. वे सीधे एयरपोर्ट से झारखंड विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र की कार्यवाही में भाग लेने पहुंचे. चेहरे पर मास्क और आंखों मे चश्मा लगाए विधानसभा परिसर में दाखिल होते हुए उन्होंने अपनी सेहत को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लगा दिया.

अपनों के बीच आकर भावुक हुए बसंत सोरेन : पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय के साथ विधानसभा पहुंचे बसंत सोरेन ने सदन में प्रवेश करने से पहले मीडिया से बातचीत की. अपनी सेहत का हाल बताते हुए उन्होंने कहा कि अब उनका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक है. उन्होंने राज्य की जनता और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के आशीर्वाद और दुआओं का ही असर है कि वह आज फिर से अपने लोगों के बीच मौजूद हैं. इस दौरान वे थोड़े भावुक नजर आए और कहा कि अपनों के बीच रहना हमेशा अच्छा लगता है.

झामुमो परिवार और दुमका में खुशी की लहर: मनोज पांडेय : बसंत सोरेन की वापसी और सदन की कार्यवाही में शामिल होने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (छ्वरूरू) के खेमे में उत्साह का माहौल है. पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि दुमका विधायक आज ही रांची लौटे हैं और बिना देरी किए एयरपोर्ट से सीधे विधानसभा पहुंचे हैं. उन्होंने इसे पूरे झामुमो परिवार, दुमका की जनता और राज्य के लिए एक बेहद सुकून और राहत देने वाली खबर बताया.

अफवाहों पर लगा विराम, मां के निधन पर भी नहीं आ पाए थे रांची : गौरतलब है कि पिछले काफी समय से बसंत सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर सोरेन परिवार या पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की जा रही थी. हाल ही में जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन का निधन हुआ, तब भी बसंत सोरेन रांची नहीं पहुंच सके थे. उनके अंतिम संस्कार और श्राद्ध कर्म में शामिल न होने के कारण राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलें और अफवाहें तेज हो गई थीं. हालांकि, बाद में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने स्पष्ट किया था कि वे स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित हैं. आज सदन में उनकी मौजूदगी ने सभी शंकाओं को दूर कर दिया है.

झारखंड: चतरा में ईडी की रेड, पत्थर-बालू कारोबारियों के कई ठिकानों पर छापेमारी जारी



चतरा. झारखंड के चतरा जिले के हंटरगंज में शुक्रवार को उस वक्त हलचल तेज हो गयी, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने पत्थर और बालू कारोबार से जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी शुरू की. गोसाईडीह से लेकर नागर तक कारोबारियों के कार्यालयों और आवासों पर टीम की कार्रवाई की सूचना है. अचानक हुई इस कार्रवाई से इलाके में चर्चाएं तेज हो गई है. जानकारी के अनुसार, ईडी की टीम ने गोसाईडीह स्थित पत्थर-बालू कारोबारी प्रेम सिंह के ठिकाने तथा नागर में अरुण सिंह और शक्ति सिंह के कार्यालयों व आवासों पर छापेमारी की है.

गोसाईडीह से नागर तक कई ठिकानों पर पहुंची टीम : मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को ईडी की टीम ने हंटरगंज थाना क्षेत्र में एक साथ कई ठिकानों पर कार्रवाई शुरू की. गोसाईडीह में प्रेम सिंह के ठिकाने के अलावा नागर में अरुण सिंह और शक्ति सिंह के कार्यालयों एवं आवासों पर छापेमारी की जा रही है. कार्रवाई के दौरान बिहार पुलिस और स्थानीय पुलिस के जवान भी शामिल हैं. पुलिस बल की मौजूदगी के बीच जांच की कार्रवाई जारी है.

महिला आरक्षण बिल की आड़ में परिसीमन का मुद्दा आगे बढ़ा रही मोदी सरकार : सांसद सुखदेव भगत

लोहरदगा: महिला आरक्षण बिल और परिसीमन को लेकर संसद में होने वाली चर्चा से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गयी है. लोहरदगा के कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने इस मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार को घेरा है. उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण बिल की आड़ में परिसीमन जैसे गंभीर और संवेदनशील विषय को आगे बढ़ाया जा रहा है, जबकि इस पर न तो सर्वदलीय बैठक बुलायी गयी और न ही सभी राजनीतिक दलों के साथ विस्तार से चर्चा की गयी. सांसद ने कहा कि देश के राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने वाले ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर केवल बहुमत के आधार पर फैसला लेना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुकूल नहीं है. सुखदेव भगत ने कहा कि महिला आरक्षण के माध्यम से माताओं-बहनों को संवैधानिक अधिकार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बात हो रही है. वहीं, परिसीमन का मुद्दा भी इससे जुड़ा हुआ है, जिसका देश की राजनीतिक व्यवस्था पर दूरगामी असर पड़ सकता है. ऐसे में सरकार को जल्दबाजी करने के बजाय सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर उनकी राय लेनी चाहिए. उन्होंने कहा कि इस विषय पर गंभीरता से चर्चा और व्यापक सहमति जरूरी है. केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सांसद ने आरोप लगाया कि जब से मोदी सरकार सत्ता में आयी है, तब से संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पहले विधायकों और सांसदों को तोड़कर सरकारें बनाने के आरोप लगते रहे हैं और अब संसदीय परंपराओं को भी प्रभावित किया जा रहा है. भगत के अनुसार, इतने महत्वपूर्ण विषय पर संसद में पर्याप्त चर्चा होनी चाहिए, न कि सिर्फ बहुमत के आधार पर विधेयक लाने की कोशिश की जानी चाहिए.

झारखंड की कला-संस्कृति, परंपरा और विकास की झलक लेकर खेलगांव में सजा तीन दिवसीय मेला



रांची: झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़े के तहत गुरुवार को रांची के खेलगांव में तीन दिवसीय मेला-सह-सांस्कृतिक महोत्सव का रंगारंग आगाज हुआ. आयोजित उद्घाटन समारोह में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, दीपक बिरुवा और संजय प्रसाद यादव ने इसका उद्घाटन किया. इस मौके पर झारखंड की समृद्ध कला-संस्कृति, लोक परंपराओं और विकास की झलक पेश की गई. उद्घाटन के बाद विभिन्न सांस्कृतिक दलों ने पारंपरिक नृत्य और संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं. लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में झारखंड की सांस्कृतिक विविधता को सामने रखा.

राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों की पहचान और वहां की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया : महोत्सव में राज्य के सभी जिलों के लिए अलग-अलग पवेलियन बनाए गए हैं. इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए हैं. इन स्टॉलों के माध्यम से स्थानीय कला, हस्तशिल्प, पर्यटन स्थलों, विशिष्ट उत्पादों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है. प्रदर्शनी में राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों की पहचान और वहां की उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया गया है.

आम लोगों के लिए प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रखा गया है : मेले में झारखंडी खानपान का स्वाद भी लोगों को आकर्षित कर रहा है. इसके लिए विशेष फूड कोर्ट बनाया गया है, जहां ढुस्का-घुघनी, पेठा और छिलका सहित पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए हैं. लोग यहां स्थानीय पकवानों का स्वाद लेने के साथ झारखंडी खानपान की परंपरा से भी रूबरू हो सकेंगे.

खेलगांव में तीन दिवसीय मेले का रंगारंग आगाज : उद्घाटन समारोह के दौरान मुंडारी, नागपुरी, उरांव और संथाली लोकनृत्य की प्रस्तुतियां हुईं. सरायकेला के छऊ नृत्य ने भी अपनी विशेष शैली से दर्शकों का ध्यान खींचा. इसके अलावा आधुनिक नागपुरी संगीत और महिला बैंड 'द सजनी ग्रुप' की प्रस्तुति भी कार्यक्रम का हिस्सा रही. अगले दो दिनों तक भी मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा.

विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा रही हैं : इस मौके पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और दीपक बिरुवा ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों को राज्य की उपलब्धियों से अवगत कराने के उद्देश्य से इस आयोजन की शुरुआत की गई है. उन्होंने आम लोगों से मेले में पहुंचकर विभिन्न विभागों के स्टॉल और प्रदर्शनी का अवलोकन करने की अपील की.

मंत्रियों ने बताया कि इस आयोजन के दौरान विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया जाएगा. साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा. विभिन्न योजनाओं की जानकारी और उनके लाभ से जुड़ी बातें भी प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा रही हैं.

आय से अधिक संपत्ति | घोषणा पत्र में जिक्र नहीं, दो फ्लैट-लाइन होटल भी हैं

इंजीनियर ने पत्नी के नाम खरीदे 10 प्लॉट, कीमत 10 करोड़

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के नवगछिया में ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक इंजीनियर अजीत कुमार दास के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। निगरानी की टीम ने गुरुवार को पटना, सासाराम, भागलपुर, मुंगेर, कटिहार और नवगछिया स्थित उनके 6 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

तलाशी के दौरान अजीत कुमार दास, उनकी पत्नी श्वेता और परिजनों के नाम पर 16 अचल संपत्तियों के दस्तावेज मिले हैं। इनकी कीमत करीब 2.54 करोड़ रुपए आंकी गई है।

इसके अलावा तीन चल संपत्तियां भी मिली हैं, जिनकी कीमत 12.30 लाख रुपए बताई गई है। हालांकि, जांच के दौरान सामने आया कि 2021 में किशनगंज में तैनाती के दौरान अजीत ने अपनी पत्नी के नाम सिलीगुड़ी में 10 अलग-अलग डीड के जरिए 92 डिसमिल जमीन खरीदी थी। इस जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य 10 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। निगरानी विभाग ने 23 नवंबर को इस मामले में FIR दर्ज की थी। टीम ने नवगछिया स्थित उनके पैतृक घर पर करीब दो घंटे तक तलाशी ली, लेकिन वहां संपत्ति से जुड़े कोई दस्तावेज नहीं मिले। जांच में सिलीगुड़ी में पत्नी श्वेता के नाम पर खरीदी गई जमीन का मामला खास तौर पर सामने आया है।



जानकारी के मुताबिक, अजीत कुमार दास की किशनगंज में तैनाती के दौरान साल 2021 में 10 अलग-अलग रजिस्ट्री डीड के जरिए 92 डिसमिल जमीन खरीदी गई थी। इस जमीन का वर्तमान बाजार मूल्य 10 करोड़ रुपए से अधिक आंका जा रहा है। लेकिन विभाग को दिए गए जनवरी के संपत्ति घोषणा पत्र में पत्नी के नाम गैर-कृषि भूमि के कॉलम में शून्य लिखा गया है। निगरानी अब यह पता लगा रही है कि जमीन खरीदने के लिए पैसे कहां से आए, रजिस्ट्री में कितनी रकम दिखाई गई और संपत्ति घोषणा पत्र में इसका उल्लेख क्यों नहीं किया गया।

दो फ्लैट के दस्तावेज मिले, घोषणा पत्र में एक का ही जिक्र

पटना के जगदेव पथ स्थित सरयुग वमीका अपार्टमेंट में अजीत कुमार दास के परिवार से जुड़े दो फ्लैट के डीड मिले हैं। जबकि संपत्ति घोषणा पत्र में उन्होंने केवल एक फ्लैट की जानकारी दी थी। घोषणा पत्र में 7.75 डिसमिल जमीन का भी उल्लेख किया गया है। लेकिन दूसरे फ्लैट की जानकारी नहीं दी गई। निगरानी की टीम दोनों फ्लैट के दस्तावेजों की जांच कर रही है। यह भी देखा जा रहा है कि इनकी खरीद कब हुई और भुगतान किस माध्यम से किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बिहार- मेडिकल-इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले Gen-Z ले रहे ड्रग्स



पटना, एजेंसी। आप एक बार नशे की सुई लीजिए, जिंदगी के दर्द और परेशानी खत्म। मैं अगर एक दिन सुई न लूं तो जीना मुश्किल हो जाता है। इसी सुई पर जिंदा हूं।

नशे की सुई लेने के आदी पटना के एक युवक ने खुद से ही इंजेक्शन लेते हुए ये बातें बताई। हाल के दिनों में पटना में सूखे नशे का इस्तेमाल काफी ज्यादा बढ़ गया है। खुलेआम स्मैक, गांजा और नशे की सुई बेची जा रही है। इसका इस्तेमाल करने वाले सबसे अधिक पढ़ने वाले लड़के-लड़कियां हैं। यह इनपुट मिलने के बाद रिपोर्टर ने पटना के शहरी इलाके में एक्टिव नशे के सौदागरों का स्टिंग ऑपरेशन किया। वे कैमरे पर गांजा, स्मैक और नशे की सुई खरीदते-बेचते और लेते कैद हुए।

पता चला कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करने वाले जेन-जी नशा ले रहे हैं। महिलाएं ड्रग्स सप्लाई का नेटवर्क चला रही हैं। वहां एक ठेला पर गुड़िया और उसकी बहन रेखा गांजे की सप्लाई करती है। गुड़िया ने पहले दिन डील करने से साफ इनकार कर दिया। कहा कि गांजा की सप्लाई छोड़ दी है। तीन-चार दिन तक लगातार जाने के बाद गुड़िया डील करने के लिए तैयार हुई।

गुड़िया ने बताया कि कई बार पुलिस वाले सादे कपड़े में आ जाते हैं और तंग करते हैं। इसलिए बात नहीं कर रही थी। दो-चार दिन पर पुलिस वाले आते हैं और पैसे ले जाते हैं। पैसे नहीं देने पर पकड़कर जेल भेजने की धमकी देते हैं। मेरी मां ने पुलिस वालों का पैसा देकर सेट कर रखा है।

पति घुड़दौड़ देखने गए, इंस्टाग्राम से मौत की सूचना मिली



बेगूसराय, एजेंसी। 'मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी की शादी में घुड़दौड़ के दौरान बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल के रहुआ गांव के अधेड़ की मौत हो गई। हालांकि, परिजन ने पोस्टमॉर्टम कराए बिना गुरुवार को बुजुर्ग का अंतिम संस्कार कर दिया। उनकी मौत की स्पष्ट वजह सामने नहीं आ पाई है। मेरे पति अनंत सिंह की बेटी की शादी देखने गए थे। उन्हें घुड़दौड़ देखने का शौक था। उन्होंने शादी के लिए अपने पास कुछ पैसे भी जमा किए थे, काफी दिनों से वे मुझसे शादी में जाने की बात करते थे। जब पति बुधवार को दिन के 10 बजे निकले, करीब चार घंटे बाद यानी दोपहर दो बजे से मैंने फोन करना शुरू किया। पति का फोन रिसीव नहीं हुआ। मुझे लगा कि वे घुड़दौड़ देख रहे होंगे, शोर के बीच उन्हें मोबाइल की घंटी सुनाई नहीं दे रही होगी। मैंने करीब 8 घंटे तक कॉल किया, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। रात करीब 10 बजे किसी ने फोन उठाया तो मौत की सूचना दी। बातचीत में रहुआ गांव की रहने वाली 50 साल की सुधा देवी ने ये बातें कही। दरअसल, सुधा देवी के पति 55 साल के अरविंद सिंह की बुधवार को शिवांगी की शादी से पहले आयोजित घुड़दौड़ के दौरान मौत हो गई थी।

बिना पंजीकरण अस्पताल चलाने पर 50 हजार जुर्माना

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के पौआखाली नगर पंचायत में आमना मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर पर स्वास्थ्य विभाग ने 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। अस्पताल को 15 दिनों के भीतर पंजीकरण कराने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर उसे सील किया जाएगा। सिविल सर्जन कार्यालय की सूचना के अनुसार, अस्पताल के बिना वैध पंजीकरण चलने की शिकायत मिली थी। इसके बाद प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ठाकुरगंज को जांच के निर्देश दिए गए।

जांच के दौरान अस्पताल चलता मिला और वहां मरीजों का इलाज किया जा रहा था। जांच रिपोर्ट के आधार पर बिहार नैदानिक स्थापन (रजिस्ट्रीकरण एवं विनियमन) नियमावली, 2013 के तहत अस्पताल संचालक पर जुर्माना लगाया गया। संचालक को जुर्माने की राशि तीन दिनों के भीतर डिमांड ड्राफ्ट से जिला निबंधन प्राधिकार, किशनगंज के नाम जमा करने का निर्देश दिया गया है।

बिहार में जुटेंगी देशभर के सभी महिला आयोग की अध्यक्षः

राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यक्रम 'शक्ति संवाद' का आयोजन, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे उद्घाटन

पटना, एजेंसी। महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तीकरण और उनसे जुड़े मामलों के प्रभावी समाधान को लेकर 29 नवंबर तक राष्ट्रीय स्तर के 'शक्ति संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम की मेजबानी बिहार राज्य महिला आयोग करेगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों के महिला आयोगों की अध्यक्ष, सदस्य सचिव और वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी। देश से करीब 150 से ज्यादा लोग राजगीर में इस कार्यक्रम में शामिल होंगी।

महिला सशक्तीकरण से जुड़े कई विषयों पर चर्चा: तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तीकरण, आर्थिक स्वावलंबन, साइबर सुरक्षा और महिला संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर पैनल और विषयगत चर्चा होगी। विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि अपने अनुभव और कार्यप्रणाली साझा करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रतिनिधियों के लिए गया जी का अध्ययन भ्रमण भी प्रस्तावित है। इसके बाद 29 नवंबर को साझा निष्कर्षों और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।



महिला आयोगों के बीच बढ़ेगा समन्वय

'शक्ति संवाद' का उद्देश्य राष्ट्रीय महिला आयोग और विभिन्न राज्यों के महिला आयोगों के बीच संवाद और समन्वय को मजबूत करना है। कार्यक्रम में महिलाओं से जुड़े मामलों, उनकी समस्याओं और मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा होगी। साथ ही महिला कल्याण से जुड़ी संस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी।

नई तकनीक से मामलों के समाधान पर वर्कशॉप

बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष प्रो. अप्सरा ने बताया कि कार्यक्रम में देश के अलग-अलग महिला आयोगों के सामने आने वाले मामलों और उनके समाधान के तरीकों पर चर्चा होगी। नई तकनीक के इस्तेमाल से महिला संबंधी मामलों के समाधान को लेकर वर्कशॉप भी आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि वह पहले तीन राज्यों में आयोजित ऐसे कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी हैं। बिहार में आयोजन का मौका मिलने पर उनका उद्देश्य देश के सामने राज्य में महिलाओं के क्षेत्र में हुए बदलावों को प्रस्तुत करना भी है। उनके अनुसार बिहार की महिलाएं पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई हैं।

बिहारशरीफ- 6 गांवों का 'ग्रोथ हब' के रूप में चयनः

मल्टी-रिंग रोड नेटवर्क से कम होगा मुख्य शहर का दबाव; 588 जलाशयों को पुनर्जीवित करने का भी लक्ष्य



नालंदा, एजेंसी। आगामी दो दशकों की जरूरतों और बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए 'जीआईएस आधारित मास्टर प्लान-2047' के तहत बिहारशरीफ के कायाकल्प का विस्तृत खाका तैयार किया गया है। इस महत्वाकांक्षी विजन के अंतर्गत शहर को एक प्रमुख शैक्षणिक, आर्थिक और प्रशासनिक केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। बिहारशरीफ के 6 गांवों का 'ग्रोथ हब' के रूप में चयन किया गया है। विद्यार्थियों के लिए एक बड़े 'एजुकेशन हब' के रूप में स्थापित करने हेतु मौजूदा कोचिंग संस्थानों के विस्तार के साथ-साथ नए विश्वविद्यालय, कौशल विकास केंद्र, रिसर्च एवं इनोवेशन पार्क स्थापित किए जाएंगे। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पीर पहाड़ी, इब्राहिम मलिक बया का मकबरा, मणिराम अखाड़ा, बौद्ध मठ, मोरा तालाब, बड़ी दरगाह और संग्रहालय को जोड़ते हुए एक विशेष हेरिटेज टूरिस्ट सर्किट विकसित होगा। आर्थिक मोर्चे पर मोरातालाब में लेदर इंडस्ट्री क्लस्टर, बसवन बिगहा की प्रसिद्ध 'बावन बूटी' साड़ी के लिए हैंडलूम क्लस्टर और लॉजिस्टिक्स-वेयरहाउसिंग हब बनाने का प्रस्ताव है। पर्यावरण संतुलन के लिए शहर के हरित आवरण को वर्तमान 1 प्रतिशत से कम के स्तर से बढ़ाकर 15 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके लिए सिटी पार्क, अर्बन फॉरेस्ट और नदियों व जलाशयों के किनारे इको-पार्क बनाए जाएंगे।

डॉक्टरों के साथ मारपीट मामले में नया मोड़:

गाड़ी पर जज का बोर्ड लगा कर धौंस दिखाने वाला 6 साल पहले से बर्खास्त



पटना, एजेंसी। पीएमसीएच में मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पटना सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार राहुल प्रकाश ने स्पष्ट किया है कि इस विवाद में शामिल आशुतोष कुमार वर्ष 2020 में ही न्यायिक सेवा से बर्खास्त हो चुके हैं। इसके बावजूद वह अपनी गाड़ी पर जज का बोर्ड लगाकर घूम रहे थे।

दूसरी ओर, आशुतोष की वकील पत्नी अदिति मेधा ने पीएमसीएच प्रशासन की कार्यशैली और डॉक्टरों के रवैये के खिलाफ पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की चेतावनी दी है। इस मामले में दोनों पक्षों की ओर से पीरबहोर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। टाउन एसडीपीओ-1 राजेश रंजन ने बताया कि पीएमसीएच के सुरक्षा गार्ड, आशुतोष कुमार और उनकी पत्नी अदिति मेधा का बयान दर्ज कर लिया गया है। घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों का फुटेज खंगाला जा रहा है। यह विवाद तब हुआ था, जब आशुतोष, अदिति और अन्य परिजन पीएमसीएच में भर्ती अपने परिचित शैलेंद्र कुमार को देखने गए थे।

वकील पत्नी का आरोप: 50-60 डॉक्टरों ने मारपीट की, चेन और कैश छीने

अदिति मेधा ने पीरबहोर थाने में दर्ज शिकायत में पीएमसीएच के असिस्टेंट डायरेक्टर समेत 50-60 डॉक्टरों पर मारपीट, छेड़खानी और गाड़ी में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें बाल पकड़कर पटक दिया, भतीजी के साथ मारपीट की और पिता का नाम पूछकर जातिसूचक गालियां दीं। शिकायत में 1.12 लाख कैश, सोने की चेन और तीन मोबाइल फोन छीनने या चोरी करने का भी आरोप लगाया गया है।

पीएमसीएच प्रशासन का पक्ष : मेडिसिन आईसीयू में वीडियो बनाने से रोका तो की हाथापाई

वहीं, पीएमसीएच अधीक्षक की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। अधीक्षक के अनुसार, मेडिसिन आईसीयू में भर्ती मरीज की महिला परिजन मोबाइल से वीडियो बना रही थीं। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने नियम का हवाला देते हुए मना किया तो वे आक्रोशित होकर अभद्र व्यवहार और हाथापाई पर उतर आईं। अधीक्षक ने यह भी आरोप लगाया कि उक्त महिला ने इससे पहले भी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों के खिलाफ दिव्यांगता और क्षेत्रीयता को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां की थीं।

कागजों में 'साधारण' थे अफसर दंपती, बैंक लॉकर में मिला आधा किलो सोना



पटना, एजेंसी। आय से 1.98 करोड़ अधिक की चल-अचल संपत्ति अर्जित करने के मामले में घिरी गोपालगंज की एसडीएम डॉ. प्रेरणा सिंह और उनके पति पथ निर्माण विभाग के सहायक अभियंता रितेश कुमार ने सरकार को सौंपे घोषणा पत्र में खुद को साधारण बताया था। एसवीयू की टीम ने दंपती के बैंक लॉकर को खंगाला तो आधा किलो सोना मिला। दोनों की घोषित संपत्ति और छापेमारी में मिले बैंक बैलेंस, गहने, अचल संपत्ति में अंतर पाया गया है। एसवीयू ने दोनों के गोपालगंज, पटना, दानापुर, रोहतास, बक्सर के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इधर, एसवीयू ने दंपती के यहां छापेमारी में मिले संपत्तियों के कागजात, गहनों आदि की सूची बनाकर उनके विभागों को भेज दी है। साथ ही दोनों पर दर्ज आय से 84 फीसदी अधिक संपत्ति के केस की कॉपी भी भेज दी है। एसवीयू के अनुसार, दंपती को नोटिस देकर बुलाया जाएगा। उनसे साक्ष्यों के साथ पूछताछ की जाएगी।

जांच सुस्त, आरोपी मुक्तः री-नीट धांधली....

चार्जशीट में देरी से आरोपी को बेल

कोर्ट ने कहा-यह जांच एजेंसी की विफलता

पटना, एजेंसी। री-नीट 2026 परीक्षा में सॉल्वर बैठाने और बायोमेट्रिक सत्यापन में सेंधमारी करने वाले सिंडिकेट में शामिल ठेकेदार रोहित कुमार उर्फ मुरारी जेल से बाहर आ गया है। जांच एजेंसी की सुस्ती का कानूनी लाभ उठाते हुए उसे जमानत मिल गई। निर्धारित 90 दिनों की अवधि में चार्जशीट दाखिल नहीं होने के कारण लखीसराय की अदालत ने मुरारी को डिफॉल्ट बेल पर रिहा कर दिया।

कोर्ट ने जांच एजेंसी की इस कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने किऊल थाने के थानेदार को नोटिस जारी कर पूछा है कि अपराध की गंभीरता के बावजूद समय सीमा में जांच पूरी कर आरोपपत्र क्यों नहीं दाखिल किया गया? री-नीट धांधली का यह केस किऊल थाने में दर्ज हुआ था, जिसे बाद में आर्थिक अपराध इकाई ने अपने हाथ में ले लिया था।

नवादा नगर थाना क्षेत्र के कौशल नगर निवासी रोहित कुमार उर्फ मुरारी को 25 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। कानून के मुताबिक, किसी गंभीर अपराध में गिरफ्तारी के 90 दिनों के भीतर जांच एजेंसी को चार्जशीट दाखिल करनी होती है। समय सीमा बीतने के बाद भी आरोपपत्र समर्पित न होने पर मुरारी के अधिवक्ता ने डिफॉल्ट बेल की अर्जी दाखिल की। रिकॉर्ड के अवलोकन के बाद कोर्ट ने बेल बॉन्ड स्वीकार करते हुए उसकी रिहाई का आदेश दे दिया।



30-40 लाख तक वसूले, 35 से अधिक गिरफ्तार

21 जून 2026 को आयोजित री-नीट परीक्षा के दौरान लखीसराय में एक बड़े सॉल्वर गैंग का भंडाफोड़ हुआ था। गिरोह ने परीक्षा केंद्रों पर तैनात बायोमेट्रिक कंपनी के कर्मियों से साठगांठ कर असली परीक्षार्थियों की जगह सॉल्वर बिठाए थे। बायोमेट्रिक सत्यापन और फोटो मिलान में छेड़छाड़ कर फर्जी अभ्यर्थियों को केंद्र में प्रवेश दिलाया गया। जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह ने अभ्यर्थियों से 30 लाख से 40 लाख तक वसूले और सॉल्वरों को 10 लाख से 25 लाख तक दिए। ईओयू इस मामले में अब तक 18 बायोमेट्रिक कर्मियों और 9 फर्जी परीक्षार्थियों सहित 35 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार डॉ. रविशंकर सम्राट और डॉ. रविशंकर राहुल इस सिंडिकेट के मास्टरमाइंड निकले।

बिहारी महिलाओं के सिंदूर पर कमेंट, पब्लिक-नेता भड़के

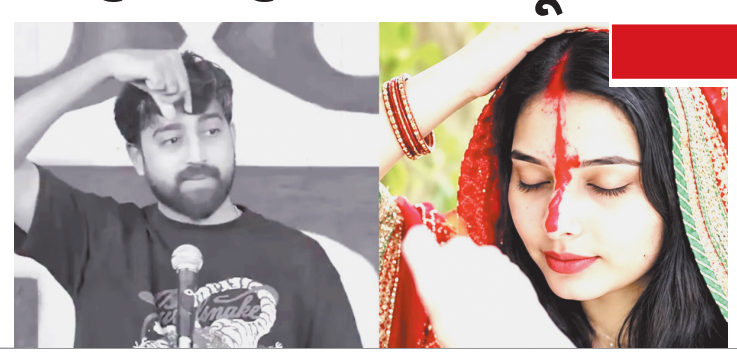

पटना में कॉमेडियन पर FIR

पटना, एजेंसी। बिहार की महिलाओं पर अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी करने वाले कॉमेडियन यश माहेश्वरी को लेकर आक्रोश है। महिला नेत्री सहित कई नेता-मंत्रियों ने इसका विरोध किया है। पटना के थाना में FIR दर्ज हुई है।

महिला नेत्री का कहना है कि इससे बिहारी महिलाओं के सम्मान और प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। मनोरंजन, कॉमेडी और व्यंग्य के नाम पर महिलाओं का अपमान करने की छूट किसी को नहीं दी जा सकती।

न्यूरोसर्जनों ने सीखी आधुनिक रीढ़ सर्जरी

देशभर के न्यूरोसर्जनों को शवों पर पांच तरह की एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया गया



अलीगढ़। रीढ़ की जटिल बीमारियों के उपचार में अब ट्रिपोर्टल एंडोस्कोपिक स्पाइनल सर्जरी जैसी आधुनिक तकनीक तेजी से जगह बना रही है। यह तकनीक केवल दो छोटे चीरों के माध्यम से रीढ़ की सर्जरी करती है, जिससे मांसपेशियों को कम नुकसान होता है। इससे मरीज की असुविधा कम होती है और अस्पताल में रहने की अवधि भी घटती है।

जेएन मेडिकल कॉलेज के न्यूरोसर्जरी विभाग में इस आधुनिक तकनीक में विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। इसमें देशभर के न्यूरोसर्जनों को शवों पर पांच तरह की एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण दिया गया। प्रो. एमएफ हुदा ने बताया कि एंडोस्कोपिक स्पाइनल सर्जरी से मांसपेशियों को कम नुकसान और कम असुविधा होती है। डॉ. आरएम शर्मा ने कहा कि शव-आधारित प्रशिक्षण से न्यूरोसर्जनों को रीढ़ की संरचना समझने का व्यावहारिक अनुभव मिलता है। प्रो. मजहर अब्बास ने बताया कि जेएन मेडिकल कॉलेज का न्यूरोसर्जरी विभाग उत्तर भारत के अग्रणी केंद्रों में से एक है।

तकनीक के लाभ और प्रशिक्षण

यह तकनीक ऑपरेशन के बाद मरीज की असुविधा कम करने में सहायक है। इससे रिकवरी में भी मदद मिलती है और अस्पताल में रुकने का समय घटता है। सर्जरी की तकनीक का चयन मरीज की बीमारी और उसकी स्थिति के अनुसार ही होता है। कार्यशाला में प्राचार्य प्रो. अंजुम परवेज, डॉ. अहमद अंसारी और डॉ. सुयश सिंह भी मौजूद रहे।

सपा सरकार में कन्नौज मेडिकल कॉलेज से हटा बाबा साहेब का नाम : असीम अरुण



लखनऊ , एजेंसी। गोमतीनगर के भागीदार भवन में संविधान गौरव दिवस के मौके पर बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में कन्नौज मेडिकल कॉलेज से बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का नाम हटाया गया। वर्ष 2012 से 2017 के बीच सत्ता की ताकत का इस्तेमाल सामाजिक न्याय के पुरोधाओं के नाम पर बने संस्थानों के नाम बदलने में किया गया। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के हितों से जुड़ी योजनाओं को भी कमजोर किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संविधान और लोकतंत्र को मजबूत करने का काम हुआ है। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के परिवारों को 10 प्रतिशत आरक्षण देना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का मजबूत आधार है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर दिया है। इस मौके पर महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रिपु सूदन सिंह, प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी एवं अंकुर शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कल्याणपुर में दिसंबर के पहले सप्ताह में होगी विधायक खेल स्पर्धा

कानपुर, एजेंसी। कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का मौका मिलने जा रहा है। दिसंबर के पहले सप्ताह में यहां विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन प्रस्तावित है। इसमें कबड्डी, वालीबॉल, बैडमिंटन, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स की प्रतियोगिताएं होंगी। स्पर्धा में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्ग के महिला व पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। जिला युवा कल्याण व प्रादेशिक विकास दल अधिकारी के अनुसार महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल, विकास दल व युवा कल्याण उत्तर प्रदेश के आदेश और जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें भाग लेने के लिए खिलाड़ी का कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य है। प्रतियोगिता में शामिल होने और अन्य जानकारी प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी व कल्याणपुर विधानसभा के नोडल अधिकारी दीपक सिंह से मोबाइल नंबर 6392462409 पर संपर्क किया जा सकता है।

नियमित बिल भरने के बावजूद कनेक्शन काटा, कंपनी पर जुर्माना

आगरा, एजेंसी। नियमित बिजली बिल जमा करने के बावजूद उपभोक्ता का कनेक्शन बार-बार काटने पर टोरेंट पावर कंपनी के खिलाफ जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग प्रथम ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग के अध्यक्ष सर्वेश कुमार और सदस्य राजीव कुमार ने सेवा में कमी व अनुचित व्यापारिक व्यवहार मानते हुए कंपनी को 45 दिन में कनेक्शन बहाल करने, मानसिक पीड़ा के लिए 10 हजार रुपये और वाद व्यय के रूप में पांच हजार रुपये अदा करने का आदेश दिया है। न्यू आगरा के कौशलपुर निवासी सेवानिवृत्त रेलकर्मी कैलाश चंद्र सत्संगी ने 22 जुलाई, 2013 को पुश्तैनी मकान के हिस्से में कनेक्शन लिया था। उनका आरोप है कि लगातार बिल भरने के बाद भी चार बार कनेक्शन काटा गया। चौथी बार आपूर्ति बहाल न होने पर 24 जुलाई, 2025 को विधिक नोटिस भेजा गया, जिसका जवाब नहीं मिला। कंपनी ने मृत पिता के नाम पुराने कनेक्शन पर 1,08,572 रुपये बकाया और धारा 135 के तहत 90,519 रुपये निर्धारण का दावा किया। मगर आयोग ने पाया कि पिता का 8 अक्तूबर 2005 को निधन हो चुका था, निरीक्षण रिपोर्ट पर उपभोक्ता के हस्ताक्षर नहीं थे और चोरी या लंबित मुकदमे का कोई ठोस प्रमाण भी पेश नहीं किया गया।

पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के समन्वय से दूर होगी स्वास्थ्य चुनौतियां

वाराणसी, एजेंसी। आईएमएस बीएचयू के आयुर्वेद संकाय में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सांस्कृतिक मूल्यों के समावेश की अनिवार्यता पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो भी चुनौतियां हैं, उन्हें दूर करने में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का समन्वय बहुत जरूरी है। इस दिशा में सभी को प्रयास करना होगा। सांस्कृतिक मूल्यों एवं समग्र मनोदैहिक उत्कर्ष विषयक सम्मेलन में नेपाल से आए प्रो. शिव मंगल प्रसाद ने युवा पीढ़ी में मनोदैहिक सुदृढ़ता के विकास के लिए पारंपरिक मूल्य प्रणालियों की कालजयी और अंतर-सांस्कृतिक प्रासंगिकता बताई। आयुर्वेद संकाय प्रमुख प्रो. केएन मूर्ति इस आयोजन को विद्यार्थियों सहित सभी के लिए उपयोगी बताया। समारोह में संगीता सिंह एवं सोनाली शुक्ला की संपादित पुस्तक, डॉ. भवानी सिंह की लिखी पुस्तक का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर प्रो. राजेंद्र प्रसाद, प्रो. रानी सिंह, प्रो. पीके गोस्वामी, प्रो. सुदामा सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

मरीज के इलाज का पूरा प्रोटोकॉल तैयार कर रहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

गोरखपुर , एजेंसी। सर्जरी में अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिर्फ बीमारी की पहचान तक सीमित नहीं है। यह मरीज के इलाज का पूरा प्रोटोकॉल तैयार करने से लेकर ऑपरेशन के दौरान होने वाली गलतियों को चिह्नित करने और परिणाम बेहतर बनाने में भी मदद कर रहा है। हालांकि, इसकी उपयोगिता बढ़ाने के लिए स्थानीय परिस्थितियों और मरीजों से जुड़े डाटा के आधार पर इसे अपडेट करना जरूरी है। यह बातें बृहस्पतिवार को यूपीएएसआईकॉन-2026 की प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कहीं। आगरा के डॉ. मयंक जैन ने सर्जरी में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं, बीआरडी मेडिकल कॉलेज के डॉ. अभिषेक जीना ने बताया कि एआई बीमारी की पहचान, जांच और इलाज की उपयुक्त पद्धति चुनने में मददगार है। इसके जरिये मरीज के उपचार का पूरा प्रोटोकॉल तैयार किया जा सकता है। इसमें भर्ती रहने की अवधि, सर्जरी की तकनीक, संभावित जोखिम और इलाज की पद्धति का चयन शामिल है। ऑपरेशन के दौरान भी यह कमियों को चिह्नित कर सुधार के सुझाव देता है, जिससे बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद मिलती है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के डॉ. संतोष कुशवाहा ने एआई की सीमाओं की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि सामान्य एआई एप्लीकेशन में स्थानीय डाटा का अभाव रहता है। भौगोलिक परिस्थितियों और शैक्षणिक स्तर में अंतर के कारण मरीजों और बीमारियों का व्यवहार भी बदल सकता है। इसलिए एआई में स्थानीय डाटा शामिल करने के साथ उसे समय-समय पर अपडेट और संशोधित करना जरूरी है। इससे चिकित्सकों को अधिक सटीक निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

सड़कों के काम में रायबरेली सबसे पीछे, सीतापुर-उन्नाव अव्वल... लखनऊ में 89 प्रतिशत पूरा



लखनऊ, एजेंसी। मंडल में सड़कों को गड्ढामुक्त करने की प्रगति में रायबरेली सबसे पीछे है। यहां अब तक 84 प्रतिशत काम ही पूरा हो सका है। वहीं, सीतापुर और उन्नाव 94-94 प्रतिशत प्रगति के साथ सबसे आगे हैं। हरदोई में 85, लखनऊ में 89 और लखीमपुर खीरी में 90 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने बृहस्पतिवार को छह जिलों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए धीमी प्रगति वाले जिलों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मंडल में 9451.74 किलोमीटर सड़कों को गड्ढामुक्त करने का लक्ष्य है, जिसके सापेक्ष 8509 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। शेष सड़कों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित बनाने को कहा गया। एक करोड़ रुपये से अधिक लागत की लंबित परियोजनाओं में भूमि, बजट और तकनीकी स्वीकृति से जुड़ी बाधाएं दूर कर समयसीमा तय करने के निर्देश दिए। एक साल से अधिक समय से लंबित परियोजनाओं के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने को भी कहा।

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान खरीद के लिए क्रय केंद्रों पर किसानों को सुविधाएं देने और प्रक्रिया पारदर्शी रखने के निर्देश दिए। फार्मर रजिस्ट्री के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाने और मांग के अनुरूप खाद उपलब्ध कराने के लिए कहा। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने से क्षतिग्रस्त सड़कों की प्राथमिकता पर मरम्मत कराने और गोशालाओं में चारा-पानी व उपचार की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त शिवाकांत द्विवेदी समेत छह जिलों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पेंशन के 2137 आवेदन लंबित : मंडल में वृद्धावस्था पेंशन के 670, निराश्रित महिला पेंशन के 930 और दिव्यांग पेंशन के 537 आवेदन लंबित हैं। वहीं, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के 2892 आवेदन सत्यापन में अटके हैं। मंडलायुक्त ने पात्रों को प्राथमिकता से लाभ देने और लंबित आवेदनों का जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए।

पंचायतों की 6166 ऑडिट आपत्तियां लंबित : मंडल की ग्राम पंचायतों में वर्ष 2010-11 से 2023-24 तक की 8162 ऑडिट आपत्तियों में से 6166 का निस्तारण नहीं हुआ है। 1087 ग्राम पंचायतों में जनसेवा केंद्र शुरू नहीं हुए हैं और पंचायत सहायकों के 49 पद रिक्त हैं। मंडलायुक्त ने इस पर नाराजगी जताते हुए कार्ययोजना बनाकर कमियां दूर करने के निर्देश दिए।

घोषणापत्र को सपा ने ऐतिहासिक तो भाजपा ने झूठे वादों का पुलिंदा बताया

गोरखपुर, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा जारी चुनावी घोषणापत्र पर राजनीतिक दलों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। सपा ने इसे ऐतिहासिक और जनहितैषी बताया है। वहीं, भाजपा ने इसे झूठे वादों का पुलिंदा करार दिया है, जबकि कांग्रेस ने कुछ घोषणाओं को बेहतर बताया है।

समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने घोषणापत्र का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह घोषणापत्र ऐतिहासिक है और समाज के हर वर्ग का ध्यान रखता है। इसमें किसानों, नौजवानों, मजदूरों और छात्र-छात्राओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह घोषणापत्र सबका हित साधने वाला है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी ने सपा के घोषणापत्र को झूठा वादा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा नेताओं ने सत्ता में रहते हुए जनता के लिए कोई काम नहीं किया। जनार्दन तिवारी ने कहा कि उनके शासनकाल में गुंडाराज और भ्रष्टाचार चरम पर था। उन्होंने यह भी कहा कि सपा की घोषणाएं केवल हवा-हवाई होती हैं और धरातल पर नहीं उतरतीं। जनता उनके वादों पर विश्वास नहीं करती है।

कांग्रेस ने घोषणापत्र को सराहा : कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी ने समाजवादी पार्टी के घोषणापत्र में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के हित में किए गए प्रावधानों को बेहतर बताया। उन्होंने 25 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के वादे का स्वागत किया। हर महीने पांच हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता और पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की घोषणा भी स्वागत योग्य है।

हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में जेन जी, जेन अल्फा ने किया तुलसी पूजन



तुलसी भारतीय संस्कृति और प्रकृति के प्रति आस्था का प्रतीक है

कानपुर, एजेंसी। हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले की शुरूआत पहले दिन वृक्ष, तुलसी और गो वंदन कार्यक्रम से हुई। इसमें जेन जी और जेन अल्फा आयु वर्ग के 450 स्कूली बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने भक्तिभाव से तुलसी, कुश और गो पूजन किया। विद्यार्थियों को तुलसी के पौधे भी भेंट किए गए। मुख्य वक्ता समाजसेवी गोपाल आर्य ने पौधे लगाने, पानी बचाने और पॉलिथीन का उपयोग बंद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति पौधों को एक लोटा पानी अवश्य दे। गिलास में जूठा पानी छोड़ने की आदत से बचें। इससे प्रतिदिन करोड़ों लीटर पानी बर्बाद होने से बचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि तुलसी भारतीय संस्कृति और प्रकृति के प्रति आस्था का प्रतीक है। प्रकृति संरक्षण केवल परंपरा नहीं, बल्कि हमारा नैतिक दायित्व भी है। महंत चैतन्य अरुण पुरी ने कहा कि हम संपूर्ण प्रकृति की पूजा करते हैं। अपने मूल स्वभाव की ओर लौटना ही अध्यात्म है। महंत जितेंद्र दास ने कहा कि सनातन धर्म में पूजा को सेवा कहा जाता है। आयोजन में बीएनएसडी शिक्षा निकेतन, पंडित दीनदयाल विद्यालय, जुगल देवी सरस्वती विद्या मंदिर और जय नारायण विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सोमकांत, अतुल कोठारी, बृज मोहन सहित अन्य मौजूद रहे।

धान खरीद में लापरवाही पर होगी कार्रवाई,

बरेली। मंडलायुक्त शंभू कुमार ने बृहस्पतिवार को विकास भवन सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी धान क्रय केंद्रों पर शत-प्रतिशत खरीद शुरू कराने, प्रभारियों व कर्मचारियों की समय से उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की चेतावनी दी। कोहरे को देखते हुए ट्रेक्टर-ट्रॉलियों में रिफ्लेक्टर लगाने व क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए शेड, पानी, कैंटीन व अलाव की व्यवस्था करने को कहा।पशुपालन विभाग को शीतलहर से गोवंश को बचाने के लिए सभी गोशालाओं की चेकलिस्ट के आधार पर जांच कराने और रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग से डायलिसिस व सीटी स्कैन सुविधाओं का अधिक लाभ मरीजों तक पहुंचाने को कहा। डेंगू की पुष्टि के लिए एलाइजा जांच व अस्पतालों में अग्निशमन व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए। वहीं निर्माण कार्यों की समीक्षा में 13 ऐसी परियोजनाएं सामने आईं, जो पूरी होने के बावजूद हैंडओवर नहीं हुई हैं। मंडलायुक्त ने औपचारिकताएं पूरी कर हस्तांतरण कराने को कहा। राजस्व समीक्षा में स्टांप चोरी की जांच व शराब की ओवररेटिंग पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

अनूपशहर रोड पर एक दर्जन से ज्यादा दुकानों को नगर निगम ने किया सीज



अलीगढ़। नगर निगम ने संपत्ति कर के बड़े बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अनूपशहर बाईपास स्थित जमालपुर रोड पर एक दर्जन से अधिक दुकानों को सीज कर दिया गया है। वहीं, अब नगर निगम के निशाने पर संपत्ति कर जमा नहीं करने वाले सरकारी विभाग भी हैं।

जोन-एक की जोनल अधिकारी एवं सहायक नगर आयुक्त तपस्या यादव के नेतृत्व में नगर निगम की टीम ने अनूपशहर बाईपास स्थित जमालपुर रोड पर एक दर्जन से अधिक दुकानों को सील किया। इन दुकानों के स्वामियों पर संपत्ति कर बकाया है। टीम ने दुकानों पर तालाबंदी करने के साथ सीलिंग संबंधी नोटिस भी चस्पा किए।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने चारों जोन से बड़े बकायेदार सरकारी विभागों और भवनों का ब्योरा तलब किया है। धनीपुर मंडी और बीज गोदाम संचालकों को भी बकाया कर जमा करने के लिए अंतिम नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम सेवा भवन में बृहस्पतिवार को संपत्ति कर वसूली की समीक्षा बैठक में नगर आयुक्त ने सरकारी विभागों पर बकाया कर को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर के विकास कार्यों के लिए राजस्व बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए सरकारी विभागों समेत सभी बड़े बकायेदारों से वसूली की जाएगी। विभागीय कार्रवाई, तालाबंदी और कुर्की से पहले संबंधित बकायेदारों को अंतिम नोटिस दिया जाएगा।

धनीपुर मंडी और बीज गोदाम पर भी शिकंजा : नगर आयुक्त ने कर निर्धारण अधिकारी आशीष कुमार सेठ और संबंधित क्षेत्रीय जोनल अधिकारी को धनीपुर मंडी में व्यापारियों, मंडी समिति के सचिव और मंडी अध्यक्ष से वार्ता कर बकाया संपत्ति कर जमा कराने के निर्देश दिए। इसके बाद अंतिम नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को नगर निगम सेवा भवन में सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक भी प्रस्तावित है।नगर आयुक्त ने कहा कि बड़े बकायेदारों को समाचार पत्रों के माध्यम से भी लगातार सूचना दी जा रही है। इसके बावजूद गृहकर और संपत्ति कर जमा नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने भवन स्वामियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालकों से समय पर कर जमा करने की अपील की।

एक लाख में करोड़ों की जमीन का सौदा, फिर दबंगई से कब्जा; वकीलों के सिंडिकेट के दस्तावेज सामने आए



लखनऊ , एजेंसी। अपराधी प्रवृत्ति के वकील सिंडिकेट बनाकर काम करते थे। विवादित जमीनों का सौदा करते थे। एक पक्ष से एक-सवा लाख रुपये में एग्रीमेंट टू सेल करते थे। फिर दबंगई से उस जमीन पर कब्जा करते थे। मोटी रकम मिलने पर एग्रीमेंट करने वाले पक्ष को जमीन वापस कर देते थे।

अगर रकम अधिक नहीं मिलती थी तो जमीन को खुद ही अपने नाम करवाकर दूसरों को बेच देते थे। इस तरह से जमीन के खेल से करोड़ों का खेल कर रहे थे। अब जब कोर्ट ने आरोपी तीन वकीलों पर शिकंजा कसा, तब उनके कारनामे सामने आ रहे हैं।

कोर्ट परिसर में मारपीट के मामले में वकील सौरभ कुमार वर्मा, हर्षित पांडेय उर्फ यश और अभय प्रताप वर्मा जेल भेजे गए थे। हाईकोर्ट इन वकीलों समेत तमाम अन्य आपराधिक वकीलों का आपराधिक इतिहास और संपत्तियों को देखकर हैरानी जता चुका है।

दरअसल आरोपी ऐसी जमीनों की तलाश करते थे, जिनका कुछ न कुछ विवाद होता था। फिर वह एक पक्ष से एक-सवा लाख रुपये में एग्रीमेंट टू सेल करवा लेते थे। इसमें दो तरह की डील करते थे। एक में दूसरे पक्ष से जमीन छुड़वाकर पहले वाले पक्ष को कब्जा करवा देते थे।

इसके लिए एकमुश्त रकम वसूलते थे। वहीं, इसके अलावा कुछ मामलों में जिस पक्ष से एग्रीमेंट करते थे, उसको वह खुद मामूली रकम लेकर जमीन अपने नाम करवा लेते थे। फिर उस जमीन की बिक्री खुद करते थे। इसमें करोड़ों रुपये कमाते थे।

सीजन में भी सूना पड़ा आई वार्ड, जांच और सर्जरी के लिए भटक रहे मरीज

बरेली। आंखों की बीमारियों का सीजन चल रहा है, लेकिन अस्पतालों की अव्यवस्थाओं के कारण मरीज इलाज के लिए भटक रहे हैं। जानकारी के अभाव में मरीज वर्तमान में भी जांच कराने के लिए तीन सौ बेड अस्पताल ही पहुंच रहे हैं। जबकि बीते करीब तीन माह से जिला अस्पताल में भी जांच की सुविधा आरंभ कर दी गई है। मरीजों के बीच इस असमंजस के चलते जिला अस्पताल का आई वार्ड सूनसान नजर आ रहा है।

दरअसल, करीब ढाई साल पूर्व महादेव सेतु के निर्माण के चलते मरीजों की सुविधा के लिए तत्कालीन कमिश्नर संयुक्ता समदार ने जिला अस्पताल के आंख समेत अन्य विभागों की ओपीडी तीन सौ बेड अस्पताल में शिफ्ट करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद आंख संबंधी रोगों की जांचें तीन सौ बेड अस्पताल में शुरू तो हुईं मगर सर्जरी के लिए मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया जाने लगा। मरीजों को एक ही परिसर में जांच और सर्जरी की सुविधा देने के लिए बीते दिनों से जिला अस्पताल के ओपीडी परिसर में ही जांच की सुविधा शुरू कर दी गई, लेकिन मरीज जानकारी के अभाव में तीन सौ बेड अस्पताल ही पहुंच रहे हैं।

इसके चलते आंखों की बीमारियों का सीजन होने के बावजूद मरीजों की सर्जरी का आंकड़ा बीते साल की तुलना में घट गया है। आई वार्ड से मिली रिपोर्ट के अनुसार, सर्दी की शुरुआत यानि सितंबर के अंत से ही मोतियाबिंद समेत अन्य आंख संबंधी रोगों की सर्जरी का ग्राफ बढ़ता है। लेकिन इस वर्ष कुल 294 मरीजों की सर्जरी ही हुई हैं जबकि बीते वर्ष इस अवधि में ही आंकड़ा 400 के करीब था।

संक्षिप्त समाचार

पैरेंट्स के लिए अच्छी खबर, अब बच्चों को मोबाइल फोन के स्क्रीन से मिलेगी मुक्ति



नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चों में मोबाइल की बढ़ती लत अभिभावकों के लिए चिंता का विषय है। पढ़ाई और मनोरंजन के लिए बच्चे घंटों स्क्रीन पर समय बिताते हैं। इस आदत को कम करने के लिए तीन दोस्तों ने एआई आधारित टेडी 'कूजी' तैयार किया है। यह बच्चों से बातचीत करेगा, सवालों के जवाब देगा और खेल-खेल में नई चीजें सिखाएगा। भारत मंडपम में चल रहे भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आइआइटीएफ) के हॉल नंबर 14 में इसे प्रदर्शित किया गया है। कंपनी की योजना दिसंबर में इसे बाजार में उतारने की है। इस टेडी को कानपुर के सर्वोदय नगर निवासी आयुष, माही और प्रभात ने तैयार किया है। इसके नाम पर ही उन्होंने अपने स्टार्टअप का नाम कूजी रखा है।

लखनऊ के इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के छात्र प्रभात, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस के छात्र आयुष और चार्टर्ड अकाउंटेंट माही ने मिलकर यह पहल की है।

स्टॉल पर मौजूद आयुष जिंदल ने बताया कि सामान्य टेडी बियर जैसा दिखने वाला यह खिलौना माइक्रोफोन, स्पीकर और रिचार्जेबल बैटरी से लैस है। इसे एआई टूल से जोड़ा गया है। बच्चा बटन दबाकर बातचीत शुरू कर सकता है। यह हिंदी, अंग्रेजी और हिंग्लिश में जवाब देता है। बच्चे की पसंद और पिछली बातचीत याद रखने की क्षमता इसे खास बनाती है। तीन घंटे चार्ज करने पर यह करीब सात घंटे काम कर सकता है।

पैरेंट एप के जरिये माता-पिता इस्तेमाल का समय तय कर सकेंगे। सोने के समय खिलौने को बंद रखने का विकल्प भी है। अभिभावक एप पर बच्चे की बातचीत देख सकते हैं और संवेदनशील विषयों पर बातचीत होने पर अलर्ट पा सकते हैं।

इससे वे बच्चे की जिज्ञासाओं से जुड़े रहेंगे। कंपनी का उद्देश्य मोबाइल पर वीडियो देखने में बिताए जाने वाले समय को बातचीत और सीखने की गतिविधियों में बदलना है।

7 साल की सजा काटकर बाहर आते ही फिर की दरिंदगी

10 साल की बच्ची से यौन उत्पीड़न के आरोप में युवक गिरफ्तार



नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के पार्कों में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस के तमाम बड़े-बड़े दावे एक बार फिर खोखले साबित हुए हैं।

उत्तर-पश्चिम जिले के भारत नगर थानाक्षेत्र स्थित इस्माइल खान पार्क में मंगलवार दोपहर नशे में धुत 40 वर्षीय एक हैवान ने स्कूल से लौट रही 10 वर्षीय मासूम को झाड़ियों में ले जाकर दुष्कर्म किया। गनीमत रही कि बच्ची की चीख सुनकर पार्क में मौजूद लोगों ने आरोपित को समय रहते दबोच लिया, वरना वह वारदात के बाद बच्ची की हत्या करने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर बुधवार को अदालत में पेश किया, जहां से उसे तिहाड़ जेल भेज दिया गया है। करीब दो माह पहले 21 सितंबर की शाम कालकाजी मंदिर से सटे आस्था कुंज पार्क में पुलिसकर्मी बनकर तीन युवकों ने 17 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट की थी। उस घटना के बाद पुलिस ने राजधानी के सभी पार्कों में महिला पुलिसकर्मियों की नियमित गश्त, सीसीटीवी कैमरे और पर्याप्त रोशनी के बड़े-बड़े दावे किए थे। लेकिन, ठीक दो माह बाद दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था की फिर पोल खोल दी है। पुलिस के अनुसार, चौथी कक्षा में पढ़ने वाली 10 वर्षीय पीड़ित बच्ची इस्माइल खान पार्क के पास ही अपने परिवार के साथ रहती है। मंगलवार को वह रोज की तरह सहपाठियों के साथ स्कूल गई थी।

एक की ब्रिटेन की डिग्री पर सवाल, दूसरे डॉक्टर का डिप्लोमा भी अमान्य; दो डॉक्टरों की डिग्री जांच के घेरे में



नई दिल्ली, एजेंसी। नवजात शिशुओं के उपचार में विशेषज्ञता का दावा करने वाले फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग के दो डॉक्टरों की शैक्षणिक योग्यताओं पर गंभीर सवाल उठे हैं। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) और दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) की संयुक्त जांच में दोनों डॉक्टरों को भारत में संबंधित विशेषज्ञ के रूप में पंजीकरण और कार्य करने के लिए आवश्यक योग्यताओं के मानकों पर खरा नहीं पाया गया है।

जांच रिपोर्ट दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल की गई: जांच समिति ने एक डॉक्टर की अतिरिक्त योग्यता को दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) के पंजीकरण से हटाने की सिफारिश की है, जबकि दूसरे की डिग्री को मान्यता प्राप्त अतिरिक्त विशेषज्ञ योग्यता नहीं माना है। 13 नवंबर को तैयार जांच रिपोर्ट 18 नवंबर को एनएमसी के हलफनामे के साथ दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल की गई।

डॉक्टरों की विशेषज्ञता और पंजीकरण का मुद्दा उठा: यह मामला अगस्त 2017 में फोर्टिस अस्पताल में जन्मे एक बच्चे के उपचार से जुड़ा है। बच्चे की मां सपना जैन ने आरोप लगाया था कि अस्पताल में उपचार के दौरान लापरवाही और मेडिकल रिकार्ड में गड़बड़ी के कारण उनके बेटे को गंभीर हाइपोक्सिक ब्रेन इंजरी हुई।

उसे सेरेब्रल पाल्सी, मिर्गी और वेस्ट सिंड्रोम जैसी गंभीर समस्याएं हो गईं। हालांकि, वर्ष 2019 में डीएमसी की अनुशासनात्मक जांच में चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप साबित नहीं पाया गया था। इसके बाद डॉक्टरों की विशेषज्ञता और पंजीकरण का मुद्दा अलग से उठा।

डॉ. विवेक जैन की ब्रिटेन की डिग्री पर सवाल: इस मामले की जांच में डॉ. विवेक जैन की ब्रिटेन से प्राप्त एमआरसीपीसीएच (मेम्बरशिप आफ द रायल कालेज आफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ) योग्यता की विशेषज्ञ पंजीकरण के लिए पात्रता पर सवाल उठाए गए। उनके पास प्रशिक्षण पूरा करने का प्रमाणपत्र (सीसीटी) नहीं था और वह ब्रिटेन के विशेषज्ञ रजिस्टर में भी पंजीकृत नहीं थे।

उनकी एमआरसीपीसीएच योग्यता वर्ष 2016 में डीएमसी में अतिरिक्त योग्यता के रूप में दर्ज की गई थी। जांच समिति ने इस अतिरिक्त योग्यता को पंजीकरण से हटाने की सिफारिश की है। इसका अर्थ उनका पूरा मेडिकल पंजीकरण रद होना नहीं है।

डॉ. अखिलेश सिंह का डिप्लोमा मान्य नहीं: दूसरे डाक्टर डा. अखिलेश सिंह के मामले में चाइल्ड हेल्थ में डिप्लोमा की मान्यता पर सवाल उठे। यह डिप्लोमा कोलकाता के इंडियन कॉलेज ऑफ मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ से प्राप्त किया गया था। जांच में इसे भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) अथवा एनएमसी से मान्यता प्राप्त अतिरिक्त विशेषज्ञ योग्यता नहीं माना गया। डीएमसी के रिकार्ड के अनुसार उनका पंजीकरण एमबीबीएस के आधार पर है। इस डिप्लोमा के आधार पर उन्हें विशेषज्ञ के रूप में पंजीकरण की पात्रता नहीं मिलती।

फोर्टिस का दावा विशेषज्ञों की निगरानी में करते थे काम: एनएमसी को दिए जवाब में फोर्टिस अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि डा. अखिलेश सिंह योग्य सलाहकारों की निगरानी में बाल चिकित्सा टीम की सहायता करते थे और स्वतंत्र रूप से विशेषज्ञ के तौर पर उपचार नहीं करते थे। अस्पताल ने यह भी कहा कि डा. विवेक जैन को वरिष्ठ निदेशक और यूनिट प्रमुख का पद देना आंतरिक प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा था। अस्पताल ने मामला न्यायाधीन बताते हुए टिप्पणी करने से इन्कार किया।

हाई कोर्ट के निर्देश पर हुई जांच, पुलिस भी कर रही पड़ताल: मामले में 23 फरवरी 2023 को हाई कोर्ट ने डॉक्टरों की शैक्षणिक योग्यताओं की जांच के लिए संबंधित चिकित्सा नियामकों से जवाब मांगा था। मई 2025 में डीएमसी ने अंतरिम राय देते हुए दोनों डॉक्टरों को नवजात शिशु विशेषज्ञ (नियोनेटोलाजिस्ट) बताने और सुपर स्पेशियलिस्ट के रूप में कार्य करने से परहेज करने को कहा था।

इसके बाद 29 मई 2026 को हाई कोर्ट ने एनएमसी और डीजीएचएस को संयुक्त जांच कर आठ सप्ताह में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। रिपोर्ट दाखिल नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर हुई। 30 अक्टूबर को अदालत ने दो सप्ताह में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था।

मेडिकल रिकॉर्ड में गड़बड़ी उजागर: इस मामले में एक अलग घटनाक्रम में 22 सितंबर 2025 को रोहिणी की अदालत ने पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट खारिज कर विस्तृत जांच के लिए तीन महीने का समय दिया था। अदालत ने बच्चे के मस्तिष्क में चोट लगने के समय और कारण, उपचार के दौरान मेडिकल रिकॉर्ड में गड़बड़ी और नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में तैनात डॉक्टरों व कर्मचारियों की भूमिका की जांच करने को कहा था।

अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता: बच्चे के माता-पिता का आरोप है कि जन्म के समय उनके बेटे को कोई न्यूरोलाजिकल समस्या नहीं थी और अस्पताल में उपचार के बाद उसकी स्थिति गंभीर हो गई। इन आरोपों की पुलिस जांच अलग से जारी है। डॉक्टरों की विशेषज्ञ योग्यता पर एनएमसी की जांच को चिकित्सकीय लापरवाही का अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता।

यमुनापार में धड़ल्ले से बिक रही गांजा-स्मैक की पुड़िया, चेयरमैन ने पूछा- तस्करों पर क्या हुई कार्रवाई



नईदिल्ली, एजेंसी। यमुनापार के कई इलाकों में नशीले पदार्थों की बिक्री धड़ल्ले से जारी है, जिससे स्थानीय हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं। नंद नगरी स्थित जिलाधिकारी (डीएम) कार्यालय में ड्रग्स कंट्रोल विभाग की आयोजित बैठक में इस गंभीर समस्या पर दिल्ली पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर कड़े सवाल उठाए गए। उत्तर पूर्वी जिला विकास समिति के चेयरमैन जितेंद्र महाजन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुलिस व प्रशासन समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल: पिछली बैठक में चेयरमैन जितेंद्र महाजन अपने साथ गांजा और स्मैक की पुड़िया लेकर पहुंचे थे, जिसे उन्होंने रिहायशी क्षेत्रों से खरीदा था। ताजा बैठक में पुलिस अधिकारी यह जवाब नहीं दे सके कि कलंदर कॉलोनी, पुरानी सीमापुरी और कोढ़ी कॉलोनी के पास से खरीदे गए इन नशीले पदार्थों के मामले में क्या ठोस कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने कानूनी खामियों का हवाला देते हुए मजबूरी जताई कि तस्करों की गिरफ्तारी के बाद अक्सर रिमांड नहीं मिल पाता, जिससे नशे के पूरे नेटवर्क (चेन) तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

प्रमुख हॉटस्पॉट और मिलीभगत के आरोप: यमुनापार में कलंदर कॉलोनी, सीलमपुर झुग्गियां, वेलकम की जनता कॉलोनी, कोढ़ी कॉलोनी और सनलाइट कॉलोनी नशे के बड़े हॉटस्पॉट बन चुके हैं, जहां गांजा, स्मैक और हेरोइन आसानी से उपलब्ध हैं। स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि पुलिस के कुछ कर्मियों—जिनमें स्पेशल स्टाफ, नारकोटिक्स और थानों की क्रैक टीम के सदस्य शामिल हैं—की सांठगांठ से यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। शिकायतों के बाद कार्रवाई के नाम पर केवल बीट कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया जाता है, जबकि थानाध्यक्ष या एसीपी स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होती।

बड़े तस्कर पुलिस की पकड़ से बाहर: सीलमपुर, वेलकम, विवेक विहार, नंद नगरी, शास्त्री पार्क और सीमापुरी थाना क्षेत्रों में नशे का कारोबार बड़े पैमाने पर फैला है। सूत्रों के अनुसार, कुख्यात गैंगस्टर छेनू पहलवान, नंद नगरी का घोषित बदमाश अमित कल्याण, सीमापुरी क्षेत्र से पिंकी, टोनी, जाने आलम, सलीम पहलवान, केपी और सुंदर नगरी से सत्ते जैसे बड़े नाम इस धंधे से जुड़े बताए जा रहे हैं।

कम बोली के कारण रद्द की सरोजिनी नगर फ्लैट की नीलामी, एनबीसीसी ने दिल्ली हाई कोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरोजिनी नगर में प्रीमियम फ्लैटों की नीलामी रद होने के मामले में एनबीसीसी ने दिल्ली हाई कोर्ट में कहा कि 49 यूनिट्स के लिए लगाई गई बोलियां असामान्य रूप से कम और व्यावसायिक रूप से असंतोषजनक थीं, इसलिए नीलामी रद करनी पड़ी। एनबीसीसी ने कोर्ट में कहा कि बोली लगने के बाद और आवंटन पत्र जारी होने से पहले बिल्डर ने व्यावसायिक आकलन किया, जिसमें कीमतों में उतार-चढ़ाव पाया गया। कम बोली नीलामी के उद्देश्य को ही खत्म कर रही थी। एनबीसीसी ने अपने जवाब में कहा कि सबसे ऊंची बोली या रिजर्व प्राइस पर बोली लगाने से ही आवंटन का कोई अधिकार नहीं मिल जाता और न ही नीलामी रद होने को चुनौती देने का अधिकार बनता है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और कहा कि शुक्रवार को सुनवाई जारी रहेगी।



शेख हसीना की वापसी नहीं होगी आसान, पूर्व डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी समेत तीन की गिरफ्तारी पर उठे सवाल

ढाका, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश लौटने की योजना से कुछ हफ्ते पहले तारिक रहमान सरकार एक्शन में नजर आ रही है। दरअसल, अधिकारियों ने गुरुवार तड़के ढाका में शेख हसीना के पूर्व डिप्टी प्रेस सचिव केएम सखावत मून, पूर्व डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद इलियास हुसैन और आयकर वकील सूफी मोहम्मद अल मामून को गिरफ्तार कर लिया। इन तीनों को धनमंडी-27 इलाके से गिरफ्तार किया गया। यह जानकारी सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार है।

छात्र संगठन ने हिरासत में लिया: द डेली स्टार के अनुसार, इन तीनों को पहले सत्ताधारी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र संगठन, जातीयतावादी छात्र दल (जेसीडी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिरासत में लिया था, जिसके बाद उन्हें पुलिस की हिरासत में सौंप दिया गया। मोहम्मदपुर पुलिस स्टेशन के ड्यूटी ऑफिसर, सब-इंस्पेक्टर मसूदुर रहमान ने बताया कि



पुलिस इन तीनों को अदालत में पेश करने की तैयारी कर रही है। सरकार की इस कार्रवाई को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।

क्यों कड़ी की गई सुरक्षा: बांग्लादेश एक बार फिर बढ़ते राजनीतिक तनाव के दौर से गुजर रहा है। 16 दिसंबर को हसीना के भारत से वापस लौटने की उम्मीद है, जबकि उन्हें उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। बीएनपी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के कई हिस्सों में सुरक्षा बढ़ा दी है और सीमा अर्धसैनिक बलों की 108 प्लाटून तैनात की हैं। इनमें से 56 प्लाटून हसीना के गृह जिले गोपालगंज में तैनात की गई हैं।

हाल के हफ्तों में पूरे बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं के बाद सुरक्षा बढ़ाई गई है। इन घटनाओं में ट्रेनों, बसों, बैंकों और अन्य वाहनों में आगजनी के मामले शामिल हैं। नवंबर की शुरुआत से हुई राजनीतिक हिंसा में कम से कम चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चार पुलिस थानों और कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया है।

पुलिस ने हिंसा के लिए किसे जिम्मेदार ठहराया : पुलिस ने हाल ही में हुई हिंसा के लिए हसीना की अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। अवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जबकि यह पार्टी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए 29 और 30 नवंबर को लॉकडाउन कार्यक्रम को बढ़ावा दे रही है।

मुझे उन पर पूरा भरोसा: राष्ट्रपति ट्रंप ने हुआंग की दूसरी पारी का किया बचाव, कहा- हर कोई बदला जा सकता है



फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में जेनसन हुआंग की वापसी के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि यह देश और दुनिया के लिए एक महान काम था। हुआंग के व्यक्तिगत संबंधों से जुड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के बावजूद उन्होंने यह बात कही। ट्रंप ने हुआंग के नेतृत्व की प्रशंसा की और उनकी वापसी पर विश्वास व्यक्त किया। गुरुवार को फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो आवास से सैन्य कर्मियों के साथ थैंक्सगिविंग बातचीत के दौरान ट्रंप ने यह बयान दिया। उन्होंने सुरक्षा खतरे की चिंताओं को खारिज कर दिया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने हुआंग से बात नहीं की है, लेकिन सोमवार को भूमिका शुरू होने से पहले उनसे बात करने की उम्मीद है। उन्होंने हुआंग को एनवीडिया का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। ट्रंप ने कहा कि हुआंग कंपनी में वापस आकर खुश हैं और इसे उनका दूसरा कार्यकाल बताया। उन्होंने यह भी कहा कि बाजार इस वापसी को लेकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा है। ट्रंप ने अपने आकलन के समर्थन में बहुत सारी जानकारी होने का दावा किया। उन्होंने हुआंग को एक अच्छा आदमी बताया जो महान काम करेंगे।

खुफिया समुदाय की चिंताएं: अमेरिकी खुफिया समुदाय में एलिस हुआंग से जुड़े संभावित प्रति-खुफिया जोखिमों को लेकर चिंताएं हैं। एलिस हुआंग का पहले जेनसन हुआंग से संबंध था। एक न्यूज वेबसाइट की एक रिपोर्ट के अनुसार, एलिस हुआंग का चीनी राज्य सुरक्षा मंत्रालय (एमएसएस) के एक अधिकारी से संपर्क था। अमेरिकी खुफिया अधिकारियों ने कांग्रेस के कर्मचारियों को मंगलवार को इस बारे में जानकारी बैठक दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन का एमएसएस एलिस हुआंग पर नजर रख रहा था।

चीन में जहां कुछ दिन पहले मिले थे ट्रंप और चिनफिंग, वहीं खुलेआम बिक रही एनवीडिया की बैन चिप्स

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका की सबसे एडवांस चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के कुछ चिप्स चीन के बाजार में खुलेआम बिक रहे हैं। आश्चर्य की बात ये है कि इन एडवांस चिप्स पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं।

विदेशी अखबार की एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। उस रिपोर्ट में ये बताया गया है कि एपीइसी शिखर सम्मेलन के दौरान जगह पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग मिले थे वहीं से थोड़ी दूर पर ही ये आसानी से बाजार में उपलब्ध था।

शेनझेन के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में बिक रहे चिप: वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार शेनझेन के भीड़भाड़ वाले इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में अमेरिका के कुछ सबसे प्रतिबंधित एआई चिप्स खुलेआम बेचे जा रहे हैं। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद से अमेरिका ने एनवीडिया पर निगरानी



बढ़ा दी है। हालांकि जेनसन हुआंग ने पद पर फिर वापसी कर ली है। इससे पहले वो चीनी महिला एलिस हुआंग के प्यार में काफी किरकिरी झेल चुके है, जिस वजह से उन्हें कुछ दिनों के लिए पद से भी हाथ धोना पड़ा था।

चीनी बाजार में खुले आम बिक रहे सबसे एडवांस चिप्स: एलिस हुआंग कंपनी की एक ग्राहक थीं और कथित तौर पर चीनी खुफिया तंत्र से जुड़ी हुई थीं। अमेरिकी अखबार ने पाया कि बाजार में विक्रेता एनवीडिया के कुछ सबसे एडवांस चिप्स (जिनमें ब्लैकवेल ब्ब्300 भी शामिल है) बेच रहे हैं, जबकि अमेरिका ने चीन को इनके निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा है।

तीन मिलियन से साढ़े तीन मिलियन में मिल रहे सर्वर: हाल ही में, एक वेंडर ने सप्लायर्स से बात करने के बाद बताया कि आठ ब्लैकवेल बी300 चिप्स वाले एक सर्वर की कीमत 20 मिलियन युआन (लगभग 3 मिलियन डॉलर) है। वहीं दूसरे व्यापारियों ने भी ऐसे ही सर्वर के लिए तीन मिलियन डॉलर से लेकर 3.4 मिलियन डॉलर तक की कीमतें बताई। उनका कहना है कि अमेरिका द्वारा निर्यात पर कड़े प्रतिबंध की वजह से इनकी कीमतों में भारी उछाल है।

दो महीने पहले कम थी कीमत: वू नाम के एक वेंडर ने द वाशिंगटन पोस्ट को बताया कि दो महीने पहले एक ब्लैकवेल ब्ब300 सर्वर की कीमत लगभग 2 मिलियन डॉलर थी। बता दें कि एनवीडिया अपनी हाई-एंड चिप्स की कीमतें सार्वजनिक रूप से नहीं बताती है। वहीं अमेरिका में इनकी कीमत 500,000 से 600,000 डॉलर है।

एआई में अमेरिकी बढ़त को खतरा: चिप की चीन में मौजूदगी से अमेरिका के एआई क्षेत्र में बढ़त फिर खतरों में आ सकता है क्योंकि अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है। 2024 में जब से एनवीडिया ने अपनी ब्लैकवेल सीरीज पेश की है, तब से अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के चलते चीन को इनकी शिपिंग पर रोक लगा दी है। ये चिप एडवांस्ड ढ्ढ प्रोसेसर हैं। एक विक्रेता ने बताया कि ये उत्पाद आमतौर पर हांगकांग के जरिए मंगाए जाते हैं।

क्या है चीन का पक्ष: वाशिंगटन पोस्ट को दिए एक बयान में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू चांग ने कहा कि अमेरिका से चीन को होने वाले चिप निर्यात पर चीन का रुख स्पष्ट है। चीन इस बात का विरोध करता है कि अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे को जरूरत से ज्यादा बढ़ा रहा है और निर्यात नियंत्रण उपायों का गलत इस्तेमाल कर रहा है।

बांग्लादेश में चीनी नागरिक ने नाबालिग से किया दुष्कर्म, कई दिनों तक बनाकर रखा बंधक; पुलिस ने छुड़ाया

ढाका एजेंसी। इंटरनेट मीडिया के जरिये दोस्ती करने के बाद 14 वर्षीय स्कूली छात्रा के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में बांग्लादेश की एक अदालत ने चीनी नागरिक को जेल भेज दिया। स्थानीय मीडिया के अनुसार वरिष्ठ न्यायिक मजिस्ट्रेट डोलोन बिस्वास ने बुधवार दोपहर पुलिस की ओर से आरोपित चेन योंग को अदालत में पेश किए जाने के बाद यह आदेश दिया। छात्रा 17 नवंबर को स्कूल जाते समय लापता हो गई थी। उसके पिता ने 18 नवंबर को मानिकगंज सदर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। बांग्लादेशी मीडिया संस्थान यूएनबी ने बताया कि पुलिस ने मंगलवार देर रात ढाका के उत्तरा इलाके में किराये के एक मकान से चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया और नाबालिग लड़की को छुड़ा लिया। सोमवार रात लड़की ने अपनी बड़ी बहन से संपर्क किया और बताया कि चेन योंग ने टिकटॉक पर उससे दोस्ती की थी। वह उसे मानिकगंज के एक किराये के मकान में ले गया, जहां उसने कई बार उसका दुष्कर्म किया और उसे बंधक बनाकर रखा। मानिकगंज सदर थाने की पुलिस ने पीड़िता को छुड़ाया और चेन योंग को गिरफ्तार किया।

संपादकीय

एआई के सहारे नई आर्थिक उड़ान...

हाल ही में प्रकाशित अमेरिका के डॉयचे बैंक रिसर्च इंस्टीट्यूट की नवंबर 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है. जहां अमेरिका और चीन जैसे देश अरबों-खरबों डॉलर खर्च करके सबसे शक्तिशाली फाउंडेशनल मॉडल, अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर चिप और विशालकाय डाटा सेंटर खड़े करने में जुटे हैं, वहीं भारत एआई को समाज, उद्योग और रोजमर्रा के जीवन में बड़े पैमाने पर अपनाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है. इस कसौटी पर भारत आज दुनिया के सबसे बड़े और जीवंत 'परीक्षण स्थल' (टेस्टबेड) के रूप में उभरा है, जो अपने विशाल घरेलू बाजार, युवा जनसांख्यिकी और मजबूत डिजिटल नींव के सहारे एआई को आर्थिक विकास, उत्पादकता और रोजगार सृजन का सबसे बड़ा इंजन बना रहा है. भारत की इस सफलता के पीछे की सबसे बड़ी खूबी उसकी 'कम बुनियादी ढांचे वाली' यानी एसेट-लाइट और दूरदर्शी रणनीति है. डॉयचे बैंक के विश्लेषण के अनुसार, भारत को हर बुनियादी मॉडल या महंगे हार्डवेयर का नए सिरे से आविष्कार करने की बाध्यता नहीं है; क्योंकि वैश्विक महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के चलते उन्नत एआई तकनीकें तेजी से सस्ती और सुलभ हो रही हैं, जिनका व्यावहारिक लाभ भारत सीधे उठा सकता है. यह कोई छोटी बात नहीं है कि पूरी दुनिया में भारत का तेजी से बढ़ता एआई बाजार रेखांकित हो रहा है. ओपनएआई भारत को एआई का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता बाजार मानता है; गूगल इसके समृद्ध डाटा वितरण और विशाल प्रतिभा आधार को वैश्विक नेतृत्व की क्षमता से



जोड़ता है; और माइक्रोसॉफ्ट गणित, तर्कशास्त्र व सांख्यिकी में दक्ष भारतीय युवाओं को इस क्षेत्र के स्वाभाविक दावेदार के रूप में देखता है. विभिन्न उद्योग रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2026 में भारत का एआई बाजार लगभग 14 अरब डॉलर का है, जिसके 2030 तक करीब नौ गुना बढ़कर 130 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचने का अनुमान है. बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और नैसकॉम के निष्कर्ष बताते हैं कि देश की 87 प्रतिशत कंपनियां आज सक्रिय रूप से किसी न किसी रूप में एआई का उपयोग कर रही हैं. प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रैंकिंग में भारत का तीसरे स्थान पर होना और दुनिया के कुल एआई टैलेंट का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा अकेले भारत के पास होना (अमेरिका के बाद दूसरा स्थान) यह दिखाता है कि इंडिया एआई मिशन, यूपीआई और डीपीआई ने स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक समस्याओं के समाधान गढ़ने का मजबूत मंच तैयार कर दिया है.

भारत में एआई के विकास में तीन प्रमुख ताकतें निर्णायक भूमिका निभा रही हैं. पहली ताकत डिजिटल सार्वजनिक ढांचा (डीपीआई) है, जिसमें विशिष्ट पहचान पत्र, जन धन बैंक खाते और एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) की त्रिशक्ति ने ऐसा आधार तैयार किया है जिसकी मिसाल दुर्लभ है, और जिसके साथ-साथ इंटरनेट की पहुंच 15 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत के पार पहुंच चुकी है. दूसरी ताकत भारत की विशाल युवा आबादी और तकनीक के प्रति सहज स्वीकार्यता है. अनुमान है कि 2028 तक देश की आबादी लगभग 1.5 अरब होगी, जिसकी औसत आयु मात्र 29 वर्ष रहेगी, और कार्यस्थल पर एआई पर भरोसा करने व नियमित उपयोग के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी है. तीसरी ताकत हर साल निकलने वाले लगभग 1.1 करोड़ स्नातकों का विशाल तकनीकी व बौद्धिक कार्यबल है, जो वैश्विक समाधानों को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप ढालने में सक्षम है.

नेपाल: असहमतियों के बीच संबंधों को नया रूप देने पर सहमति

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह का प्रधानमंत्री बतौर अपनी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा के लिए भारत को चुनना इस बात का संकेत देता है कि 'रोटी-बेटी' वाले भारत-नेपाल रिश्ते पिछले कुछ समय के उथल पुथल के दौर के बाद अब संबंधों की गुत्थियों को आपसी सहमति से सुलझाने की मंशा बना चुके हैं. भारत के लिए नेपाल की अहमियत में कोई बदलाव नहीं आया लेकिन नेपाल की नई युवा सरकार से दोनों देशों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक रिश्तों में नई उम्मीदों की आहट दिखती है. पिछले लगभग एक दशक में दोनों देशों के रिश्तों में सीमा विवाद, राजनीतिक मतभेद और भारत की ओर से नेपाल जाने वाले सामान की विवादित नाकाबंदी जैसे मुद्दों के कारण कुछ कड़वाहट देखी गई. पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के कार्यकाल में उनकी चीन के साथ नजदीकियां और भारत के साथ असहज संबंधों के बाद शाह के शुरुआती कुछ बयानों, खासकर ग्रेटर नेपाल के नक्शे से जुड़े संदर्भों ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी. लेकिन इस यात्रा से यह स्पष्ट हो गया है कि काठमांडू का नया नेतृत्व भारत के साथ व्यावहारिक और बेहतर संबंध बनाए रखने के आर्थिक व रणनीतिक

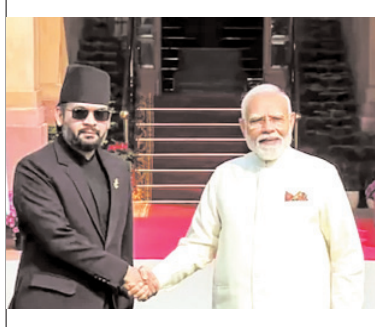

महत्व को समझता है. भारत के लिए यह यात्रा उसकी 'पड़ोस प्रथम' नीति की एक महत्वपूर्ण परीक्षा भी थी. हालांकि, उसे यह भी समझना होगा कि नेपाल की राजनीति में संप्रभुता, रणनीतिक स्वायत्तता और भारतीय प्रभाव को लेकर धारणाएं काफी संवेदनशील हैं. लिहाजा, नेपाल के राजनीतिक फैसलों का सम्मान और आर्थिक संबंधों को विविधता देने की उनकी आकांक्षाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए. नेपाली प्रधानमंत्री की यात्रा का महत्व महज कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं था, दोनों देश राजनीतिक सद्भावना को आर्थिक सहयोग और आपसी संपर्क बढ़ाने वाले ठोस नतीजों में बदलना चाहते थे. यही वजह रही कि नेपाल में हाल में बाढ़ से हुई तबाही, पुनर्निर्माण और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के मुद्दे प्रमुखता से बातचीत में शामिल रहे. भारत के लिए यह 'पड़ोस प्रथम' की अपनी नीति को ठोस आर्थिक प्रतिबद्धताओं के जरिये आगे बढ़ाने का अवसर रहा. इससे यह संदेश भी गया है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध सिर्फ कूटनीतिक बयानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनको आर्थिक सहयोग भी दिया जा रहा है. इस यात्रा का सांस्कृतिक पक्ष भी अहम रहा. दोनों देशों की जनता के बीच आपसी नजदीकियां और बढ़ना इसका एक अहम पहलू रहा. दोनों देशों ने संपर्क सुविधाओं के विस्तार को महत्व देते दिया.

आज का कार्टून



पंजाब में सियासी समीकरणों की नई करवट...

भारतीय राजनीति के क्षितिज पर चौबीस नवंबर की तारीख एक ऐसे पुनर्मिलन की साक्षी बनी है, जिसकी आहट पिछले कई महीनों से सुनाई दे रही थी। छह वर्ष के लंबे अलगाव के बाद शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए एक बार फिर हाथ मिला लिया है। नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में हुआ यह ऐलान महज दो राजनीतिक दलों का चुनावी समझौता भर नहीं है। यह समकालीन भारतीय राजनीति के उस जटिल दौर की बानगी है, जहां विचारधारा की कठोरता से अधिक प्रासंगिक बने रहने की जिद और सामाजिक समीकरणों को साधने की बाध्यता हावी दिखाई देती है।

अशोक भाटिया

आज जब उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय विमर्श के बीच नया संतुलन तलाशा जा रहा है, तब पंजाब के इस घटनाक्रम को केवल एक सीमावर्ती राज्य की चुनावी बिसात मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके निहितार्थ कहीं अधिक गहरे, सामाजिक और राष्ट्रीय हैं।

इस गठबंधन की पृष्ठभूमि को समझने के लिए हमें अतीत के उन पन्नों को पलटना होगा, जो सन उन्नीस सौ छियानवे में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और प्रकाश सिंह बादल की दूरदर्शिता से लिखे गए थे। करीब ढाई दशकों तक यह गठबंधन पंजाब में केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं रहा, बल्कि आतंकवाद के काले साये से बाहर निकले राज्य में हिंदू और सिख समुदायों के बीच विश्वास का एक मजबूत सेतु भी बना। लेकिन वर्ष दो हजार बीस में तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर उपजे तीव्र किसान आंदोलन ने इस ऐतिहासिक साझेदारी की नींव हिला दी। अकाली दल ने अपने पारंपरिक ग्रामीण और किसान वोट बैंक को बचाने के लिए राजग से नाता तोड़ लिया। उस समय यह कदम अकाली नेतृत्व को राजनीतिक रूप से सुरक्षित लगा था, परंतु समय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि अलग-अलग राहें चुनना दोनों ही दलों के लिए आत्मघाती साबित हुआ है। वर्ष दो हजार बाईस के विधानसभा चुनाव और उसके बाद हुए लोकसभा चुनावों के नतीजों ने दोनों दलों को यह कड़वा सच दिखा दिया कि पंजाब की बहुकोणीय राजनीति में अकेले चलकर वे हाशिये पर धकेले जा रहे हैं।

यहां यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि यह पुनर्मिलन दोनों दलों की राजनीतिक जरूरत है या फिर अस्तित्व बचाने की मजबूरी। यदि हम चुनावी गणित और जमीनी हकीकत का सूक्ष्म विश्लेषण करें, तो दोनों ही पहलू एक-दूसरे में गुंथे हुए नजर आते हैं। अकाली दल के लिए यह अस्तित्व का संकट है। पंथिक राजनीति का स्वयंभू ध्वजवाहक होने के बावजूद, पार्टी अपने ही गढ़ में सिमटती चली गई और उसका नेतृत्व विश्वसनीयता के संकट से जूझता रहा। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के सामने चुनौती अलग किस्म की है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रचंड बहुमत और संगठनात्मक विस्तार के बावजूद, पंजाब के ग्रामीण अंचलों में भाजपा अपनी पैठ बनाने में विफल रही। लोकसभा चुनावों में पार्टी के मत प्रतिशत में भले ही उछाल आया हो, लेकिन सीटों के खाते में शून्य दर्ज होना इस बात का प्रमाण था कि शहरी हिंदू मतदाताओं के भरोसे पंजाब की सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंचा जा सकता। स्पष्ट है कि एक के पास ग्रामीण सिख आधार है जो बिखर चुका है, तो दूसरे के पास शहरी जनाधार है जो सत्ता के लिए अपर्याप्त है। ऐसे में एक-दूसरे का हाथ थामना दोनों के लिए एक ऐसी व्यावहारिक मजबूरी बन गया, जिसे अब पंजाब के कल्याण और जरूरत के आवरण में लपेटकर पेश किया जा रहा है।

सामाजिक दृष्टि से देखें तो पंजाब एक बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। सीमा पार से होने वाली नशे की तस्करी, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, विदेश पलायन की होड़ और कानून-व्यवस्था को लेकर उठते सवालों ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को भीतर से खोखला किया है। नशाखोरी के खिलाफ दिसंबर दो हजार उनतीस तक की समय-सीमा तय करना इस बात की स्वीकारोक्ति है कि समस्या विकराल रूप ले चुकी है और इसका समाधान किसी एक दल की चुनावी घोषणा से संभव नहीं है। इसके अतिरिक्त, पंजाब के समाज में शहरी और ग्रामीण विभाजन की जो खाई पिछले कुछ वर्षों में चौड़ी हुई है, उसे पाटना किसी भी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। गठबंधन के ऐलान के वक्त दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व ने इसे हिंदू-सिख एकता और सद्भाव का प्रतीक बताया है। यदि यह गठबंधन वास्तव में सामाजिक ध्रुवीकरण को रोकने और दोनों समुदायों के बीच संवाद बहाल करने का माध्यम बनता है, तो यह



पंजाब ही नहीं, बल्कि पूरे देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता के लिए शुभ संकेत होगा।

इस घटनाक्रम का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। देश के दक्षिणी राज्यों से लेकर पूर्वी और पश्चिमी छोर तक, आज भारतीय राजनीति में गठबंधन धर्म की नई परिभाषा गढ़ी जा रही है। एक दौर था जब यह माना जाने लगा था कि राष्ट्रीय दलों के उभार के साथ क्षेत्रीय दलों का महत्व समाप्त हो जाएगा। लेकिन समय का चक्र देखिए कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल को भी विभिन्न राज्यों में स्थानीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले क्षेत्रीय क्षत्रपों की आवश्यकता महसूस हो रही है। पंजाब में भाजपा द्वारा अकाली दल को बड़े भाई की भूमिका देना और मुख्यमंत्री पद पर उसका दावा स्वीकार करना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि संघीय ढांचे में क्षेत्रीय अस्मिता की अनदेखी नहीं की जा सकती। यह संदेश दक्षिण भारत के उन राज्यों के लिए भी महत्वपूर्ण है, जहां क्षेत्रीय दल अक्सर राष्ट्रीय दलों पर स्थानीय हितों की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती इसी विविधता और शक्ति संतुलन में निहित है, जहां केंद्र और राज्य की आकांक्षाएं एक-दूसरे की पूरक बनकर चलें।

तमाम सियासी गुणा-भाग के बावजूद, इस गठबंधन की राह इतनी आसान नहीं है, जितनी मंच से दिखाई दे रही है। राजनीति में दो और दो हमेशा चार नहीं होते। छह साल पहले जिन किसानों के गुस्से के कारण यह गठबंधन टूटा था, उनके मन में आज भी कई आशंकाएं जीवित हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कृषि सुधारों से जुड़े मुद्दे अभी पूरी तरह शांत नहीं हुए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग इस बात पर संदेह जता रहा है कि क्या दोनों दलों का पारंपरिक वोट बैंक एक-दूसरे को आसानी से स्थानांतरित हो पाएगा। ग्रामीण सिख मतदाता अकाली दल के इस कदम को किस रूप में लेगा और क्या वह फिर से उस नेतृत्व पर भरोसा कर पाएगा जिस पर अवसरवादिता के आरोप लग रहे हैं, यह सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न है। दूसरी तरफ, भाजपा के भीतर भी वह कार्यकर्ता जो पिछले छह वर्षों से अकेले दम पर पार्टी को खड़ा करने का सपना देख रहा था, सीटों के नए बंटवारे में खुद को ठगा हुआ महसूस कर सकता है।

सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस इस नए समीकरण को अवसरवादी गठजोड़ करार देकर हमलावर हो चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा कृषि कानूनों पर बादल परिवार के पुराने रुख और अंतरराज्यीय जल बंटवारे जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाना इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में पंजाब की राजनीति बेहद तीखी और भावनात्मक होने वाली है। ऐसे में अकाली-भाजपा गठबंधन के सामने दोहरी चुनौती है। पहली, उन्हें अपने कार्यकर्ताओं के बीच के अविश्वास को मिटाकर एक साझा जमीनी अभियान खड़ा करना होगा। दूसरी, उन्हें पंजाब की जनता के सामने विकास, रोजगार, कृषि संकट और नशा मुक्ति का एक ऐसा ठोस खाका रखना होगा जो केवल चुनावी वादा न लगे, बल्कि जिसमें एक विजन दिखाई दे।

दरअसल , लोकतंत्र में किसी भी गठबंधन की सार्थकता इस बात से तय नहीं होती कि उसने सत्ता के कितने सोपान चढ़े, बल्कि इस बात से होती है कि उसने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में क्या बदलाव लाया। पंजाब देश का अन्नदाता और सीमाओं का सजग प्रहरी है। जब पंजाब अस्थिर होता है या आर्थिक-सामाजिक संकट से घिरता है, तो उसकी टीस पूरे राष्ट्र को महसूस होती है। अकाली दल और भाजपा का यह नया अध्याय यदि केवल सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने की सीढ़ी बनकर रह गया, तो इतिहास इसे एक राजनीतिक मजबूरी से अधिक कुछ नहीं मानेगा। लेकिन यदि इस मिलन ने पंजाब के युवाओं को नशे के अंधकार से निकालकर रोजगार की रोशनी दी, किसानों की चिंताओं का स्थायी समाधान निकाला और देश की एकता को मजबूती प्रदान की, तभी यह गठबंधन समय की कसौटी पर एक सच्ची जरूरत सिद्ध हो पाएगा। आने वाले महीनों में पंजाब का मतदाता अपने विवेक से यह तय करेगा कि यह मिलन राज्य के नवनिर्माण की शुरुआत है या फिर पुराने सियासी चेहरों की सत्ता में लौटने की एक और कवायद।

बांग्लादेश में अराजकता का भयावह सिलसिला...

बांग्लादेश में सत्ताधारी नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी के संयोजक नाहिद इस्लाम का रवैया तो घनघोर भारत विरोधी है. ऐसा लगता है कि वे पाकिस्तान के इशारे पर नाच रहे हैं. नाहिद कहते हैं कि बांग्लादेश में भारत का वर्चस्व है और उसे खत्म करने के लिए हर प्रयास किया जाना चाहिए. नाहिद इस्लाम प्रधानमंत्री तारिक इस्लाम से मिलकर लौटे और फिर बाकी राजनीतिक दलों से भी सरकार का साथ देने की अपील की. वे तो यहां तक कहते हैं कि भारत एक हत्यारे को पनाह दे रहा है. भारत विरोधी इन बयानों से स्पष्ट है कि यह पड़ोसी देश अब चीन, पाकिस्तान और अमेरिका के प्रभाव में है।

राजेश बादल

बांग्लादेश एक बार फिर गंभीर अराजकता का सामना कर रहा है. वहां लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता दांव पर लग चुकी है. जिस देश ने पाकिस्तान से आजाद होने के लिए लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता का सहारा लिया हो, अब वह अपने देश के चरित्र को छोड़ना चाहता है. इससे ज्यादा घातक और क्या हो सकता है? इसका एक आशय यह भी है कि बांग्लादेश अपने अस्तित्व और पहचान की लड़ाई भी लड़ रहा है.

वहां अब ऐसी ताकतें शासन कर रही हैं, जिनका जम्हूरियत और उसके बुनियादी उसूलों पर कोई यकीन नहीं है. मुल्क के संस्थापक और आजादी के महानायक शेख मुजीबुर्रहमान की बेटी तथा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद का इंतजार वहां फांसी का फंदा कर रहा है. यह सजा उन्हें उस मुकदमे के बाद सुनाई गई, जिसमें उनका पक्ष रखने वाला कोई नहीं था और न ही उन्हें सुनवाई का अवसर दिया गया था. एक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यों को मौत की सजा का आधार बनाया जा रहा है. इन कार्यों में न तो भ्रष्टाचार है और न ही देशद्रोह का कोई मामला. उन्मादी भीड़ पर गोलियां चलाने का आदेश देना उनका अपराध बताया जा रहा है. यदि यह देखा जाए तो पाकिस्तान के फौजी जल्लाद रहे जनरलों ने बांग्लादेश के लाखों लोगों को कसाई की तरह मौत के घाट उतारा और उन्हें इस काम के लिए अलंकृत किया गया. यह अजीब विरोधाभास है कि एक प्रधानमंत्री हिंसा पर उतारू भीड़ को काबू पाने के लिए तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती बरते तो उसे सूली चढ़ाने का फैसला सुनाया जाता है.

इससे यह पता चलता है कि बांग्लादेश के आंतरिक हालात कितने बिगड़ चुके हैं और मुल्क किसी बाहरी ताकत के इशारे पर नाच रहा है. इस सिलसिले में बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद का बयान बेहद खतरनाक और दहशत फैलाने वाला है. उन्होंने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी अवामी लीग को अब कभी राजनीति करने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

पार्टी पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगाया जाएगा. स्पष्ट है कि एक अल्पमत सरकार बहुमत वाली पार्टी से भयभीत है. इस सरकार में बैठे लोग शेख हसीना के नाम से ही कांपने लगे हैं. एक और वरिष्ठ राजनेता सत्तारूढ़ दल के डॉक्टर जाहिद उर रहमान ने साफ कहा कि अवामी लीग के कार्यकर्ता आतंकवादी हैं. वे हजारों की संख्या में विदेश में हैं और शेख हसीना के आने से पहले बांग्लादेश आने की कोशिश करेंगे.

उन्हें हर कीमत पर रोका जाएगा. बता दूं कि जाहिद उर रहमान वहां के प्रधानमंत्री के सलाहकार हैं. आपको यह भी याद होगा कि बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं



कबीर ने ऐलान किया है कि मैडम हसीना को हथकड़ी-बेड़ी डालकर लाया जाएगा. वे अपराधी हैं और उनके साथ एक मुजरिम जैसा ही सुलूक किया जाएगा.

बांग्लादेश में सत्ताधारी नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी के संयोजक नाहिद इस्लाम का रवैया तो घनघोर भारत विरोधी है. ऐसा लगता है कि वे पाकिस्तान के इशारे पर नाच रहे हैं. नाहिद कहते हैं कि बांग्लादेश में भारत का वर्चस्व है और उसे खत्म करने के लिए हर प्रयास किया जाना चाहिए. नाहिद इस्लाम प्रधानमंत्री तारिक इस्लाम से मिलकर लौटे और फिर बाकी राजनीतिक दलों से भी सरकार का साथ देने की अपील की.

वे तो यहां तक कहते हैं कि भारत एक हत्यारे को पनाह दे रहा है. भारत विरोधी इन बयानों से स्पष्ट है कि यह पड़ोसी देश अब चीन, पाकिस्तान और अमेरिका के प्रभाव में है. शेख हसीना ने अमेरिका को सेंट मार्टिन द्वीप नहीं सौंपा था. इसलिए उन्हें अपनी सरकार गंवानी पड़ी. इसके बाद पाकिस्तान ने अमेरिका के इशारे पर मोर्चा संभाला और कट्टरपंथियों की सरकार बनवाई.

चीन ने आग में घी डालने का काम किया. पाकिस्तान में इमरान खान की हुकूमत का जाना अमेरिका की योजना का हिस्सा था. स्वयं इमरान खान अनेक अवसरों पर अपने खिलाफ इस साजिश का खुलासा कर चुके हैं. उनकी रिहाई तब तक नहीं होगी, जब तक अमेरिका नहीं चाहेगा. अमेरिका और चीन का परदे के पीछे गठजोड़ भारत के लिए कोई शुभ संकेत नहीं है.

तो इस तरह भारत को अब तीन दिशाओं से गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है. अब भारत क्या करे? अमेरिका और चीन को सिर्फ कारोबार के लिए उदार और उन्मुक्त द्वार की नीति से नहीं बांधा जा सकता. भारतीय विदेश नीति के लिए निश्चित रूप से यह संकट की घड़ी है.

सबसे पहले शेख मुजीब की तर्ज पर शेख हसीना को समर्थन देकर बांग्लादेश को सख्त संदेश देना और उसे कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करना भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. अब किसी राजनीतिक संकोच या लिहाज का अर्थ नहीं है. यह तय हो गया है कि शेख हसीना भारत के लिए जरुरत हैं.

उन्हें जानबूझकर मौत के मुंह में नहीं धकेला जा सकता. प्रत्यर्पण संधि को काटने के लिए कई वैधानिक उपाय हैं. बांग्लादेश की सरकार शेख हसीना के नहीं मिलने पर पाकिस्तान की तरह अधीरता में ऐसा कदम अवश्य उठाएगी जो अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को पसंद नहीं आएगा. भारत को इस अवसर का लाभ उठाना पड़ेगा.

शेख हसीना भारत के पास एक ऐसे तुरुप के पत्ते की तरह हैं, जिनका उपयोग बांग्लादेश में लोकतंत्र बचाने के लिए करना ही होगा. भारत के पड़ोस में लोकतंत्र की बहाली भारत के लिए शांति और राहत का पैगाम है. अन्यथा पाकिस्तान की तरह यह पड़ोसी भी स्थायी सिरदर्द बन सकता है.

यकीन करना मुश्किल है कि फिर सिराज को बाहर कर दिया

मोहम्मद कैफ तेज गेंदबाज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने से नाखुश

नई दिल्ली, एजेंसी। *भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं दी गई है। टीम मैनेजमेंट के इस फैसले पर भारत के पूर्व क्रिकेटर्स ने नाराजगी जताई है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज मोहम्मद कैफ सिराज को एक बार फिर प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने से नाखुश दिखाई दिए। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'यकीन करना मुश्किल है कि भारत के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक मोहम्मद सिराज को फिर से बाहर कर दिया गया है। सिराज को बुमराह के साथ भारत के विदेशी टेस्ट बॉलिंग अटैक में सबसे पहले चुना जाना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल ने खुद सिराज को वर्ल्ड-क्लास बॉलर कहा था और बताया था कि वह अच्छी बॉलिंग कर रहे हैं।' वहीं, पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल ने लिखा, 'एक बार फिर मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली।' मुनाफ ने अपने एक और ट्वीट में मौजूदा बॉलिंग अटैक पर भी सवाल खड़े किए।*

उन्होंने लिखा, 'चलो, कोई बात नहीं अगर आप मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी को नहीं देख रहे हैं, लेकिन आपकी अगली बॉलिंग यूनिट कहां है, जो मैच जिताने में माहिर हो? '

क्रिकेट विशेषज्ञ और कमेंटेटर हर्षा भोगले ने अपने एक्स अकाउंट पर सिराज को लेकर लिखा, 'सिराज अब भारत के छठे रैंक वाले तेज गेंदबाज हैं। मुझे यह बहुत गलत लगता है। इस वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में टेस्ट क्रिकेट में टॉप 5 विकेट लेने वालों में भारत के पास अब सिर्फ बुमराह के लिए जगह है। आप चाहते हैं कि बॉलर अच्छे से चुने जाएं, उनके पास बॉलिंग के लिए बेहतरीन कंडीशन हैं, लेकिन उन्हें पता होगा कि जब उनकी बारी आएगी तो उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे। '

मोहम्मद सिराज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के मौजूदा साइकिल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह इस साइकिल में अब तक 43 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। सिराज को इस साल सिर्फ 3 टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला है और इस दौरान उन्होंने 5 विकेट चटकाए हैं। साल 2020 में डेब्यू करने के बाद यह पहला मौका है, जब सिराज किसी विदेशी टेस्ट सीरीज में बिना कोई मैच खेले लौटेंगे।



इंडिया-न्यूजीलैंड टेस्ट

क्राइस्टचर्च टेस्ट में पहला दिन समाप्त....

न्यूजीलैंड का स्कोर 246/5
आकाशदीप की शानदार गेंदबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जा रहा है. मुकाबले में पहले दिन (27 नवंबर) स्टम्प तक न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट पर 246 रन बना लिए. टॉम ब्लंडेल 53 और ग्लेन फिलिप्स 36 रन बनाकर नॉटआउट हैं. भारत की ओर से आकाश दीप ने दो विकेट झटके हैं.

इस टेस्ट मैच में टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. भारतीय टीम में मोहम्मद सिराज को फिर मौका नहीं मिला. प्रसिद्ध कृष्णा की जगह गुरनूर बरार खेल रहे हैं. बरार का यह पहला टेस्ट मैच है.

पहली पारी में ऐसी रही है न्यूजीलैंड की बैटिंग

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाजों ने पहली पारी में दमदार शुरुआत की. कप्तान टॉम लैथम और डेवोन कॉन्वे ने पहले विकेट के लिए 77 रनों की पार्टनरशिप की. अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे गुरनूर बरार ने खतरनाक दिख रहे कॉन्वे को 31 रनों के निजी पर आउट कर पवेलियन भेजा. ये विकेट पहले दिन लंच से पहले आखिरी गेंद पर गिरा. लंच के टॉम लैथम ने अपनी फिफ्टी पूरी की. लैथम ने 128 गेंदों पर 59 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल रहे. लैथम का विकेट आकाश दीप ने लिया. फिर अंशुल कम्बोज ने हेनरी निकोल्स (16 रन) को आउट कर भारत को तीसरी कामयाबी दिलाई. 110 के स्कोर पर ही न्यूजीलैंड का एक और विकेट गिरा, जब आकाश दीप के बिछाए जाल में रचिन रवींद्र (0 रन) फंस गए.यहां से टॉम ब्लंडेल और डेरिल मिचेल ने पांचवें विकेट के लिए 74 रन जोड़कर मेजबान टीम को संभाला. मिचेल 31 रनों के निजी स्कोर वॉशिंगटन सुंदर का शिकार बने, जिसके चलते ये साझेदारी टूटी. मिचेल के आउट होने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने टॉम ब्लंडेल संग मोर्चा संभाला. दोनों ने छठे विकेट के लिए नाबाद 62 रन जोड़कर न्यूजीलैंड को पहले दिन के खेल में कोई और नुकसान नहीं होने दिया.

33 मैच, 33 अलग मैदान... टेस्ट क्रिकेट में बनाया अनोखा रिकॉर्ड

सचिन से भी आगे निकले यशस्वी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट क्रिकेट में एक दुर्लभ उपलब्धि अपने नाम की है. यशस्वी अपने शुरुआती 33 टेस्ट मैच अलग-अलग मैदानों पर खेलने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बन गए. उनसे पहले यह कारनामा भारत के संजय मांजरेकर ने किया था. न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च टेस्ट में उतरते ही उन्होंने ये मुकाम हासिल कर लिया.

यशस्वी जायसवाल ने जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डोमिनिका में टेस्ट डेब्यू किया था. तब से उनके सभी 33 मुकाबले अलग-अलग वेन्यू पर हुए हैं. मांजरेकर ने भी अपने शुरुआती 33 टेस्ट 33 मैदानों पर खेले थे.

यशस्वी ने सचिन को पछाड़ा

यशस्वी जायसवाल महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से आगे निकल गए हैं. मास्टर ब्लास्टर सचिन ने अपने शुरुआती 32 टेस्ट अलग-अलग मैदानों पर खेले थे. पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ और वेस्टइंडीज के दिनेश रामदीन ने अपने पहले 24-24 टेस्ट अलग-अलग वेन्यू पर खेले थे.यशस्वी जायसवाल ने अब तक सात टीमों के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट खेला है. इनमें इंग्लैंड के खिलाफ 10, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच-पांच, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ चार-चार, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ दो-दो तथा अफगानिस्तान के खिलाफ एक मुकाबला शामिल है.यशस्वी जायसवाल के पास 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में यह रिकॉर्ड अपने नाम करने का मौका होगा. नागपुर में 21 से 25 जनवरी तक होने वाले मुकाबले में खेलने पर उनका यह सिलसिला 34 मैचों तक पहुंच जाएगा.हालांकि, इसके बाद यह क्रम टूट सकता है. सीरीज के अगले चार टेस्ट चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे. यशस्वी जायसवाल इन सभी मैदानों पर पहले ही टेस्ट मुकाबले खेल चुके हैं. ऐसे में नागपुर के बाद चेन्नई में उतरते ही उनका रिकॉर्ड बनाने का सफर थम जाएगा.

जयदेव उनादकट ने टी20 में रचा इतिहास

11वें नंबर पर खेली सबसे बड़ी पारी; 22 साल बाद टूटा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का रिकॉर्ड



नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के 7वें चरण के मैच में एक विश्व कीर्तिमान बना। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड बना तमिलनाडु और सौराष्ट्र के मुकाबले में। इस मैच में सौराष्ट्र के 11वें नंबर के खिलाड़ी और भारत के लिए खेल चुके जयदेव उनादकट ने इतिहास रच दिया। उन्होंने 11वें नंबर पर आते हुए 26 गेंद पर 40 रनों की पारी खेली। यह टी20 क्रिकेट के इतिहास में 11वें नंबर के बल्लेबाज की सबसे बड़ी पारी रही। आपको बता दें कि उन्होंने 22 साल पुराना ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले टी20 में 11वें नंबर पर सबसे बड़ी नाबाद 24 रन की पारी ऑस्ट्रेलिया में जन्मे एमएफ क्लीरी ने इंग्लैंड के एक घरेलू टी20 मैच में खेली थी। उन्होंने लीसेस्टर के लिए डरहम के खिलाफ नाबाद 24 रन 7 जुलाई 2004 को बनाए थे। अब 22 साल बाद 26 नवंबर 2026 को उनादकट ने यह रिकॉर्ड तोड़ा और नंबर 1 पर काबिज हो गए।

चेस... कोलकाता में जनवरी 2027 में सजेगा ग्रैंडमास्टर शतरंज टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। 2018 में शुरू हुए 'टाटा स्टील चेस इंडिया' (जो कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में आयोजित नहीं हो सका था) के रैपिड सेक्शन में मैग्नस कार्लसन और निहाल सरीन दो-दो बार जीत हासिल कर चुके हैं। 'सिटी ऑफ जॉय' कहलाने वाले कोलकाता में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर की शतरंज प्रतियोगिता आयोजित होने जा रही है। 7 से 10 जनवरी 2027 तक यहां एक बड़ा ग्रैंडमास्टर टूर्नामेंट खेला जाएगा, जिसमें कई शीर्ष शतरंज खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चार दिवसीय टूर्नामेंट में रैपिड और ब्लिट्ज दोनों फॉर्मेट शामिल होंगे। इसका आयोजन कोलकाता के 'धोनो धान्यो ऑडिटोरियम' में किया जाएगा। 'टाटा स्टील चेस इंडिया' दुनिया के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने, उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और खेल प्रेमियों को एक शानदार माहौल में जोड़ने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। शतरंज के साथ कोलकाता के पुराने और गहरे जुड़ाव तथा इस खेल के प्रति यहां बढ़ते उत्साह को देखते हुए, यह इवेंट भारतीय शतरंज कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण आयोजन साबित होगा। 2018 में शुरू हुए 'टाटा स्टील चेस इंडिया' (जो कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में आयोजित नहीं हो सका था) के रैपिड सेक्शन में मैग्नस कार्लसन और निहाल सरीन दो-दो बार जीत हासिल कर चुके हैं।



टेनिस... एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 70वीं जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। ज्वेरेव ने 2024 में 69 मैच जीते थे, लेकिन इस साल उन्होंने उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया। 70 जीत का आंकड़ा पार करके उन्होंने अपने करियर का नया व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाया और एक नया बेंचमार्क स्थापित किया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने करियर में एक और यादगार अध्याय जोड़ा है। वह इस सदी के 12वें खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने एक कैलेंडर ईयर में कम से कम 70 टूर-लेवल जीत दर्ज की हैं।

उन्होंने गुरुवार को बोलोग्ना में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ जर्मनी के डेविस कप फाइनल्स क्वार्टर-फाइनल में आर्थर फेरी पर सीधे सेटों में जीत के साथ यह मुकाम हासिल किया। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इस उपलब्धि के साथ खुद को पुरुष टेनिस के महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर लिया है। रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी अपने बेहतरीन सीजन में 70 या उससे अधिक मैच जीत चुके हैं। ज्वेरेव ने 2024 में 69 मैच जीते थे, लेकिन इस साल उन्होंने उससे भी बेहतर प्रदर्शन किया। 70 जीत का आंकड़ा पार करके उन्होंने अपने करियर का नया व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाया और एक नया बेंचमार्क स्थापित किया। 2026 का सीजन अलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए बेहद यादगार रहा।



क्रिकेट... पीसीबी ने किया महिला टीम के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 2026/27 सीजन के लिए आठ महिला क्रिकेटर्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा की है, जिसमें कप्तान फातिमा सना और सीनियर स्पिनर सादिया इकबाल को ए कैटेगरी में रखा गया है। 25 साल की फातिमा को बल्ले और गेंद दोनों से लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए इनाम मिला है। वह हाल ही में इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' और ऑस्ट्रेलिया में 'विमेंस बिग बैश' में खेलने वाली पहली पाकिस्तानी महिला क्रिकेटर बनीं। इस बीच, सादिया ने पाकिस्तान की टॉप परफॉर्मर में अपनी जगह बनाए रखी है। बाएं हाथ की स्पिनर पहले आईसीसी टी20 इंटरनेशनल बॉलिंग रैंकिंग में टॉप पर रह चुकी है। मुनीबा अली सिद्दीकी, नशरा संधू और सिदरा अमीन को सभी फॉर्मेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और योगदान के लिए कैटेगरी बी में रखा गया है। गुल फिरोजा और सदफ शमास की ओपनिंग जोड़ी को अनुभवी खिलाड़ी आयशा जफर के साथ कैटेगरी सी में शामिल किया गया है। उनका शामिल होना उनके हाल के घरेलू और इंटरनेशनल प्रदर्शन के साथ-साथ टीम की भविष्य की जरूरतों को दिखाता है। पीसीबी ने एक बयान में कहा, 'कॉन्ट्रैक्ट 30 जून, 2027 तक चलेंगे। खिलाड़ियों की हालिया फॉर्म और फिटनेस को देखते हुए कैटेगरी तय की गई हैं। फिटनेस असेसमेंट रेगुलर किए जाएंगे।





स्पेन ने कटाया डेविस कप के सेमीफाइनल का टिकट, ऑस्ट्रिया को दी शिकस्त

बोलोग्ना (इटली), एजेंसी। स्पेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर डेविस कप फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टीम की जीत की नींव डेनियल मेरिडा ने रखी, जिन्होंने पहला मुकाबला जीतकर स्पेन को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद राफेल जॉडार ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए पिछड़ने के बावजूद वापसी की और अपना मैच जीतकर स्पेन की टाई में जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ स्पेन ने कुल मिलाकर 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की और सेमीफाइनल का टिकट कटाया। एटीपी फाइनल्स में अपनी सफलता के बाद मौजूद रहे कार्लोस अल्काराज को कोर्ट पर उतरने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि स्पेन का शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ आखिरी-चार का मुकाबला होना था। मेरिडा ने शुरुआती सिंगल्स मुकाबले में जोएल श्वार्जलर पर 6-4, 6-4 की शांत जीत के साथ स्पेन की जीत की नींव रखी। फिर जॉडार ने यह पक्का किया कि निर्णायक डबल्स मैच की जरूरत न पड़े, और जुरिज रोडियोनोव के खिलाफ 2-6, 6-0, 6-1 से शानदार जीत हासिल की। पहला सेट हारने के बाद 20 साल के खिलाड़ी का जवाब खास तौर पर शानदार था, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रिया को हराने के लिए आखिरी 13 में से 12 गेम जीते। उनकी पहली सर्विस की काबिलियत अहम साबित हुई, जिसमें रोडियोनोव के साथ अपनी पहली एटीपी मीटिंग में जॉडार ने अपनी पहली डिलीवरी के बाद 94 प्रतिशत (63/67) पॉइंट जीते।

यूरोपा लीग... बॉर्नमाउथ ने सेल्टा विगो को 2-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही बॉर्नमाउथ ने यूईएफए यूरोपा लीग में सेल्टा विगो को 2-1 से हराया। टीम ने पहले हाफ में पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी की और लगातार पांचवें मुकाबले में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ बॉर्नमाउथ का सभी प्रतियोगिताओं में जीत का सिलसिला 10 मैचों तक पहुंच गया है। बॉर्नमाउथ ने पिछड़ने के बाद दमदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम किया और यूईएफए प्रतियोगिता के अपने पहले पांच मुकाबले जीतने वाला सिर्फ पांचवां क्लब बन गया है। सेल्टा विगो ने बढ़त तब हासिल की जब अनुभवी फॉरवर्ड इयागो एस्पास ने गोल किया। इससे कुछ देर पहले उनकी शानदार ओवरहेड किक को गोलकीपर मिशेल डि ग्रेगोरियो ने बचा लिया था, लेकिन 39 वर्षीय खिलाड़ी ने बाद में पोस्ट के अंदर की ओर सटीक शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। बाफोडे डायकाइट के बाहर होने से बॉर्नमाउथ को झटका लगा, लेकिन टीम ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही वापसी कर ली। अमीन एडली के शानदार पास पर अल्वारो रोड्रिगेज ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सब्स्टीट्यूट रेयान ने इस अभियान का अपना चौथा गोल दागते हुए बॉर्नमाउथ को बढ़त दिलाई और मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

इस जीत के साथ बॉर्नमाउथ ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल कर लिए हैं और 36 टीमों की स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। वहीं, सेल्टा विगो की टीम सिर्फ तीन अंकों के साथ 32वें स्थान पर मौजूद है। वहीं, इटली की बड़ी टीमें एसी मिलान और जुवेंटस, दोनों ने मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अहम जीत हासिल की। ओमारी हचिंसन के शानदार प्रदर्शन ने मिलान को एथेंस में ओलंपियाकोस के खिलाफ 2-0 से पिछड़ने के बाद 4-2 से आगे निकलने में मदद की।



ओलंपियाकोस लीग चरण में अपने अपराजित अभियान को जारी रखने की ओर बढ़ रहा था। पहले हाफ में माइक मेगनन के आत्मघाती गोल और ब्रेक के तुरंत बाद जोआओ सिल्वा के शानदार गोल की बदौलत ग्रीक क्लब ने मजबूत बढ़त बना ली थी। हालांकि, एलेक्स हचिंसन ने अपने ही हाफ से शानदार सोलो रन लगाकर एसी मिलान की वापसी की उम्मीद जगाई। इसके बाद इंग्लिश विंगर ने अल्फाजो सिसे के लिए सटीक क्रॉस दिया, जिस पर बैक पोस्ट पर हेडर से गोल हुआ। फिर क्रिश्चियन पुलिसिक ने भी इसी तरह के मूव पर शानदार वॉली लगाकर स्कोर बराबर कर दिया।स्टॉपेज टाइम में डिएगो मोरेरा ने काउंटर-अटैक पर गोल दागकर एसी मिलान की जीत पक्की कर दी। इस नतीजे के साथ मिलान ने ओलंपियाकोस के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की। इस बीच, एंड्रिया कैम्बियासो के शानदार बराबरी वाले गोल की मदद से जुवेंटस ने ट्यूरिन में ओमोनिया के खिलाफ 4-1 से बड़ी जीत हासिल की। लुबोमिर सतका ने कॉर्नर से ओमोनिया को बढ़त दिलाई, लेकिन कैम्बियासो ने दूर से गोल किया और जेफ एकाटोर ने बॉक्स के अंदर से गोल करके मेजबान टीम को हाफ-टाइम में बढ़त दिला दी।दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए, जुवेंटस ने अपनी बढ़त तब और बढ़ा ली जब फ्रांसिस्को कॉन्सेइकाओ ने थॉमस कामिंस्की के शुरुआती शॉट को बचाने के बाद गोल किया और जेरेमी बोगा के बॉक्स के किनारे से किए गए शानदार फिनिश से चौथा गोल दागा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए न्यायाधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670